भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

21 जनवरी - 27 जनवरी 2026

jagrukjanta.net

माघ, पक्ष - शुक्ल, तिथि - तृतीया, संवत 2082 पृष्ठ : 8 जयपुर, बुधवार वर्ष-11, अंक-47, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

जो अपने अनुरूप नहीं है, वही तो दु :ख है...

सटीक

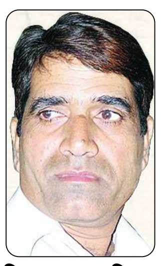

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

दु:ख शब्द मानव सभ्यता में कोई नया नहीं है। हम इसके इर्द-गिर्द ही रहते हैं। जीवन में दु:ख कोई नई घटना नहीं है। वह हर युग में रहा है, हर समाज में रहा है और हर व्यक्ति के भीतर किसी न किसी रूप में उपस्थित रहा है। फिर भी आज का मनुष्य दुख से सबसे अधिक घबराया हुआ दिखाई देता है। वह दु:ख से भागना चाहता है, उसे दबाना चाहता है, उससे बच निकलना चाहता है। पर सच यह है कि हम दु:ख से भागते नहीं, हम उसे समझना नहीं चाहते। जब दु:ख आता है, तो हम तुरंत उसका समाधान खोजने लगते हैं। कोई कहता है कि खुद को व्यस्त रखो, कोई कहता है कि सकारात्मक सोचो, कोई कहता है कि समय सब ठीक कर देगा। पर बहुत कम लोग यह कहते हैं कि दु:ख को थोड़ी देर बैठकर देखो। उसे महसूस करो। उससे यह पूछो कि तुम क्यों आए हो। क्योंकि दु:ख केवल पीड़ा नहीं होता, वह एक संदेश भी होता है। दु:ख तब जन्म लेता है, जब जीवन हमारी अपेक्षाओं के अनुसार नहीं चलता। हम चाहते हैं कि लोग वैसा व्यवहार करें जैसा हमने सोचा था। हम चाहते हैं कि मेहनत का फल तुरंत मिले। हम चाहते हैं कि रिश्ते कभी न बदलें। और जब जीवन इन चाहतों को पूरा नहीं करता, तो भीतर एक कसक उठती है। यही कसक दु:ख का पहला रूप है। समस्या दुख में नहीं, हमारी प्रतिक्रिया में है। हम दु:ख को कमजोरी मान लेते हैं। हम उसे छिपाने की कोशिश करते हैं। हम मुस्कराते चेहरे के पीछे अपने आंसुओं को दबा देते हैं। धीरे धीरे यह दबा हुआ दु:ख भीतर जमा होने लगता है और एक दिन थकान, चिड़चिड़ाहट या निराशा के रूप में फूट पड़ता है। यदि हम ईमानदारी से देखें, तो दु:ख हमें रोकने आता है। वह कहता है कि ठहरो। कुछ गलत दिशा में चल रहा है। कुछ भीतर अनसुना रह गया है। दु:ख आत्मा की वह आवाज़ है, जो हमें खुद की ओर लौटने के लिए बुलाती है। पर हम उस आवाज़ को सुनने के बजाय शोर बढ़ा देते हैं। जो व्यक्ति अपने दु:ख को समझने लगता है, वह धीरे धीरे उसके पार चला जाता है। समझ का अर्थ समाधान नहीं होता। समझ का अर्थ है स्वीकार। दु:ख को समझने का एक सरल मार्ग है साक्षी बनना।

भारत सरकार ने सेंट्रल मोटर व्हीकल्स (सेकंड अमेंडमेंट) रूल्स, 2026 को किया नोटिफाई

टोल बकाया तो परमिट, रजिस्ट्रेशन नहीं

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। भारत सरकार ने राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल भुगतान को सख्ती से लागू करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। मंगलवार को जारी अधिसूचना के तहत सेंट्रल मोटर व्हीकल्स (सेकंड अमेंडमेंट) रूल्स, 2026 को नोटिफाई किया गया है, जिसमें सेंट्रल मोटर व्हीकल्स रूल्स, 1989 में महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। इसका मुख्य उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन को मजबूत करना, टोल चोरी रोकना और बैरियर-लेस टोलिंग (मल्टी-लेन फ्री फ्लो सिस्टम) को सुचारू रूप से लागू करना है।

'अनपेड यूजर फी' क्या है?

मंत्रालय ने 'अनपेड यूजर फी' की नई परिभाषा दी है। यह वह टोल शुल्क है जो नेशनल हाइवे सेक्शन पर वाहन के गुजरने पर इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन सिस्टम द्वारा दर्ज किया गया है, लेकिन नेशनल हाइवे एक्ट, 1956 के अनुसार शुल्क प्राप्त नहीं हुआ। FASTag या अन्य डिजिटल माध्यम से भुगतान न होने पर यह बकाया माना जाएगा।

बकाया टोल पर क्या सेवाएं रुकेंगी?

» **नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट** : वाहन मालिकाना हक ट्रांसफर या एक राज्य से दूसरे राज्य में ले जाने के लिए NOC नहीं मिलेगा।
» **फिटनेस सर्टिफिकेट:** वाहन की फिटनेस सर्टिफिकेट रिन्यू या नया जारी नहीं होगा।
» **नेशनल परमिट:** कमर्शियल वाहनों के लिए नेशनल परमिट आवेदन में बकाया टोल न होने की अनिवार्य शर्त होगी।

फॉर्म 28 में नया बदलाव और डिजिटल प्रक्रिया

फॉर्म 28 (NOC के लिए इस्तेमाल होने वाला फॉर्म) में अब आवेदक को घोषणा करनी होगी कि उनके वाहन पर कोई अनपेड टोल डिमांड पेंडिंग तो नहीं है। संबंधित डिटेल्स भी देनी होंगी। मंत्रालय ने फॉर्म 28 के कुछ हिस्सों को डिजिटल रूप से जारी करने की सुविधा दी है, जो ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से उपलब्ध होगी। यह दस्तावेज वाहन ट्रांसफर, राज्य बदलने या अन्य प्रक्रियाओं के लिए जरूरी है।

मल्टी-लेन फ्री फ्लो सिस्टम को बढ़ावा

ये संशोधन बैरियर-लेस टोलिंग सिस्टम MLFF को मजबूत बनाने में मदद करेंगे। इस सिस्टम में हाई-स्पीड कैमरे और FASTag रीडर से वाहन बिना रुके गुजरेंगे, और टोल ऑटोमैटिक कटेगा। इससे टोल प्लाजा पर भीड़ कम होगी, यात्रा समय बचेगा और संग्रह बढ़ेगा।

वाहन चालकों के लिए कड़ी चेतावनी

रोड ट्रांसपोर्ट एंड हाईवे मंत्रालय ने कहा कि ये कदम टोल संग्रह को पारदर्शी और प्रभावी बनाएंगे। टोल चोरी से होने वाले नुकसान को रोककर इंफ्रास्ट्रक्चर विकास को गति मिलेगी। वाहन मालिकों को सलाह दी गई है कि FASTag एक्टिव रखें और बकाया चेक करें, वरना रजिस्ट्रेशन, इंश्योरेंस रिन्यूअल या परमिट जैसी सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

प्रदेश का बजट 11 फरवरी को

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान की भजनलाल सरकार अपने कार्यकाल का एक और महत्वपूर्ण बजट पेश करने जा रही है। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने मंगलवार दोपहर आधिकारिक घोषणा करते हुए बताया कि 11 फरवरी 2026 को प्रदेश का बजट विधानसभा के पटल पर रखा जाएगा। यह बजट केवल आंकड़ों का लेखा-जोखा नहीं, बल्कि विकसित राजस्थान के निर्माण का एक बड़ा 'विजन डॉक्यूमेंट' होगा। मंत्री जोगाराम पटेल ने विपक्ष (कांग्रेस) से अपील की है कि वे सदन की कार्यवाही में सार्थक भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि बजट प्रदेश के विकास का आधार होता है, इसलिए विपक्ष को चाहिए कि वे राजनीति से ऊपर उठकर सरकार को रचनात्मक सुझाव दें। पटेल ने जोर देकर कहा कि विधानसभा के पटल का उपयोग राजस्थान के गौरवपूर्ण इतिहास और आम जनता के हितों को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए। संसदीय कार्य मंत्री ने जहां एक ओर सहयोग की अपील की, वहीं दूसरी ओर विपक्ष को सख्त चेतावनी भी दी।

मोदी ने पीठ थपथपाई, हाथ पकड़कर भाजपा अध्यक्ष की कुर्सी पर बिठाया

नितिन भाजपा के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष बने

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। नितिन नबीन भाजपा के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष बन गए हैं। दिल्ली में भाजपा मुख्यालय में मंगलवार को इसका आधिकारिक ऐलान हुआ। इसके बाद पीएम मोदी उन्हें पार्टी अध्यक्ष के दफ्तर लेकर गए। हाथ पकड़कर पार्टी अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठाया। मिठाई खिलाई और उनके परिवार से भी मिले। भाजपा मुख्यालय में नितिन नबीन ने पीएम मोदी का स्वागत किया। उनके साथ पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी मौजूद थे। इस दौरान भाजपा-NDA राज्यों के मुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष और कार्यकर्ता मौजूद थे। पीएम मोदी नितिन को अध्यक्ष के ऑफिस लेकर पहुंचे। उनका हाथ पकड़कर कुर्सी पर बिठाया। 45 साल के नबीन सबसे कम उम्र के भाजपा अध्यक्ष चुने गए हैं। चुनाव प्रक्रिया 19 जनवरी को दिल्ली भाजपा मुख्यालय में हुई थी। नबीन ने नियुक्ति पत्र पर दस्तखत किए। पीएम मोदी ने उनकी पीठ थपथपाई। पीएम ने स्पीच में भी कहा था कि नितिन ऐसे दौर के हैं, जिसने बचपन में रेडियो पर खबरें सुनीं और आज AI का इस्तेमाल करना जानते हैं। उनमें युवा जोश और बहुत सारा अनुभव दोनों हैं। नितिन को नई जिम्मेदारी देते हुए पीएम ने उन्हें मिठाई खिलाई। उनके साथ राजनाथ सिंह, अमित शाह, जेपी नड्डा भी मौजूद थे। पदभार ग्रहण करने के दौरान नितिन की पत्नी दीपमाला और उनके बेटे नैतिक और बेटी नित्या भी मौजूद थे।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज

ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट

» मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
» सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
» असाध्य घाव/शुगर के घाव
» कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
» अचानक बहरापन (Hearing Loss)
» डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133

डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.

नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सैन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर

Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur

E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

पीएम मोदी रिफाइनरी के साथ मेट्रो के दूसरे चरण की भी दे सकते हैं सौगात

जयपुर मेट्रो का दूसरा चरण बनेगा शहर की लाइफ लाइन

ज्ञानेन्द्र मिश्रा
jagrukjanta.net

जयपुर @ जागरूक जनता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रदेश वासियों को बाड़मेर में पचपदरा रिफाइनरी के लोकार्पण के साथ ही जयपुर मेट्रो के दूसरे चरण की भी सौगात दे सकते हैं। जयपुर मेट्रो के दूसरे चरण का काम मौके पर शुरू करने की तैयारी कर ली गई है। राज्य सरकार की ओर स पिछले वर्ष मई में जयपुर मेट्रो के दूसरे चरण की डीपीआर केन्द्र सरकार को मंजूरी के लिए भेजी गई थी। इंटर मिनिस्ट्रियल कंसल्टैशन के बाद मामला मंजूरी के लिए केन्द्र सरकार के पब्लिक इनवेस्टमेंट बोर्ड को भेजा गया। केन्द्र सरकार के वित्त मंत्रालय (व्यय) के सचिव की अध्यक्षता में हुई बैठक में विभिन्न संबंधित मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में मौजूद राजस्थान मंट्रो रेल कॉर्पोरेशन के एमडी वैभव गालरिया ने दूसरे चरण की डीपीआर को लेकर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। इसके बाद में डीपीआर को स्वीकृति दी गई। किसी भी मेट्रो की डीपीआर पर केन्द्र सरकार की स्वीकृति प्रक्रिया में पब्लिक इनवेस्टमेंट बोर्ड की स्वीकृति मिलना काफी अहम पड़ाव है। अब डीपीआर पर केवल केन्द्रीय कैबिनेट की स्वीकृति शेष है। आपको सबसे पहले बताते हैं जयपुर मेट्रो के दूसरे चरण में कहां से कहां तक चलेगी मेट्रो और मौके पर काम शुरू करने के लिए राजस्थान मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन की क्या है तैयारी।

प्रदेश की भजनलाल सरकार की मंशा है कि पीएम मोदी के हाथ से जयपुर मेट्रो के दूसरे चरण का शिलान्यास कराया जाए। सरकार का प्रयास है कि जब पीएम मोदी बाड़मेर में पचपदरा स्थित रिफाइनरी के लोकार्पण के लिए आएं तो वे जयपुर मेट्रो के दूसरे चरण का भी शिलान्यास करें। आपको बताते हैं यह किस तरह से है संभव

- पीएम मोदी रिफाइनरी के साथ मेट्रो के दूसरे चरण की भी दे सकते हैं सौगात
- इस महीने के अंत में या अगले महीने के पहले सप्ताह में हैं संभव
- दूसरे चरण की डीपीआर फाइनल स्वीकृति के लिए है केन्द्र में लंबित
- कैबिनेट की बैठक में विचार के लिए कैबिनेट नोट किया जा चुका है मूव
- केन्द्रीय शहरी कार्य मंत्रालय में किया जा चुका है मूव
- केन्द्रीय शहरी कार्य मंत्री की मंजूरी के बाद कैबिनेट नोट जाएगा वित मंत्रालय
- वित मंत्री की मंजूरी के बाद यह नोट जाएगा प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO)
- PMO की मंजूरी के बाद ही इस पर कैबिनेट में किया जाएगा विचार
- उधर, मौके पर काम शुरू करने के लिए किया जा चुका है चयन
- राजस्थान मेट्रो रेल कॉर्पोरशन की ओर से फर्म का किया जा चुका है चयन।

- दूसरे चरण में जयपुर मेट्रो टोंक रोड़ स्थित रिंग रोड से लेकर विद्याधर नगर टोड़ी मोड़ तक दौड़ेगी
- 42.80 किलोमीटर लंबे इस रूट में कुल 36 मेट्रो स्टेशन होंगे,जिनमें दो स्टेशन भूमिगत होंगे
- इसमें से करीब 3 किलोमीटर लंबाई में ही मेट्रो भूमिगत कोरिडोर में दौड़ेगी
- जयपुर से टोंक रोड रिंग रोड से कुछ पहले ही प्रहलादपुरा में जयपुर मेट्रो का पहला स्टेशन बनेगा
- यहां से जयपुर मेट्रो मेट्रो स्टेशन बीलवा कलां, बीलवा, गोनेर मोड, सीतापुरा, जेईसीसीसी, कुंभा मार्ग व हल्दीघाटी मार्ग, पिंजरापोल गौशाला तक जाएगी
- इस पूरे रूट पर मेट्रो एलिवेटेड कोरिडार पर ही दौड़ेगी
- पिंजरापोल गौशाला और सांगानेर फ्लाईओवर के बीच मेट्रो कोरिडोर भूमिगत हो जाएगा
- यहां सांगानेर चौराहे पर मेट्रो का भूमिगत स्टेशन होगा
- यहीं से भूमिगत मेट्रो कोरिडोर सांगानेर एयरपोर्ट के प्रस्तावित टर्मिनल 3 तक जाएगा
- टर्मिनल 3 पर पर भी मेट्रो का भूमिगत स्टेशन प्रस्तावित है
- टर्मिनल 3 से मेट्रो भूमिगत कोरिडोर में ही स्टेट हैंगर से होती हुई टोंक रोड पर आ जाएगी
- यहां से मेट्रो स्टेशन बी टू बायपास, दुर्गापुरा, गोपालपुरा, गांधी नगर, नेहरू प्लेस, रामबाग, नारायण सिंह सर्किल, सवाई मानसिंह अस्पताल,अशोक मार्ग, गवर्नमेंट हॉस्टल, -खासाकोठी होते हुए मेट्रो कलेक्ट्रेट मेट्रो स्टेशन पहुंचेगी
- यहां से पानीपेच, अंबाबाड़ी, भवानी निकेतन,सेक्टर 2, विद्याधर नगर,वीकेआई रोड नंबर 5,
- रोड नंबर 9,रोड नंबर 14,हरमाड़ा,हरमाड़ा घाटी,टोड़ी मोड़ मेट्रो स्टेशन तक पहुंचेगी
- दूसरे चरण की कुल लागत 12 हजार 260 करोड़ रुपए है
- इस दूसरे चरण को राजस्थान मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने सात-आठ पैकेजों में विभक्त किया है
- प्रहलादपुरा रिंग रोड से पिंजरापोल गौशाला तक पहले पैकेज में मेट्रो चलाई जानी है
- राजस्थान मेट्रो रेल कॉपोरेशन ने दूसरे चरण के पहले पैकेज के लिए किया है चयन
- निविदा में अनुबंधित फर्म का किया गया है चयन
- सैम इंडिया बिल्टवैल प्राइवेट और सीगल इंडिया लिमिटेड की ज्वॉइंट वेंचर कंपनी का चयन
- राजस्थान मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने आज खोली थी निविदा
- इस कंपनी ने निर्धारित से 19.83% कम दी थी दर
- यह कंपनी 918 करोड़ रुपए की लागत से करेगी काम
- प्रहलादपुरा से पिंजरापोल गौशाला तक कोरिडोर और स्टेशन का निर्माण करेगी यह कंपनी
- केन्द्रीय सरकार की स्वीकृति के बाद जारी करेगा कार्यादेश
- राजस्थान मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन जारी करेगा कार्यादेश
- कार्यादेश मिलने के बाद कंपनी मौके पर कर देगी काम शुरू
- तय अनुबंध के मुताबिक फर्म को 34 महीने में काम करना होगा पूरा
- करीब 11 किलोमीटर लंबे कोरिडोर निर्माण का काम करना होगा पूरा
- इस पैकेज में प्रहलादपुरा,मानपुरा,बीलवा कलां,बीलवा,गोनेर रोड,
- सीतापुरा,जेईसीसी,कुंभा मार्ग,हल्दीघाटी गेट और
- पिंजरापोल गौशाला एलिवेटेड मेट्रो स्टेशनों का किया जाएगा निर्माण।

जयपुर मेट्रो के 43 किलोमीटर लंबे दूसरे चरण के रूट को अलग-अलग पैकेजों में बांटा गया है। दूसरे पैकेज में पिंजरापोल गौशाला से एयरपोर्ट तक कोरिडोर निर्माण के लिए निविदा प्रपत्र तैयार किया जा रहा है। राजस्थान मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन की मंशा है अगले महीने दूसरे पैकेज की निविदा जारी कर दी जाए और फिर एक के बाद अन्य शेष पैकेज की निविदा जारी की जाए। ताकि प्रहलादपुरा से लेकर विद्याधर नगर टोड़ी मोड़ तक पूरे रूट पर कोरिडोर व स्टेशन निर्माण का काम मौके पर शुरू किया जाए।

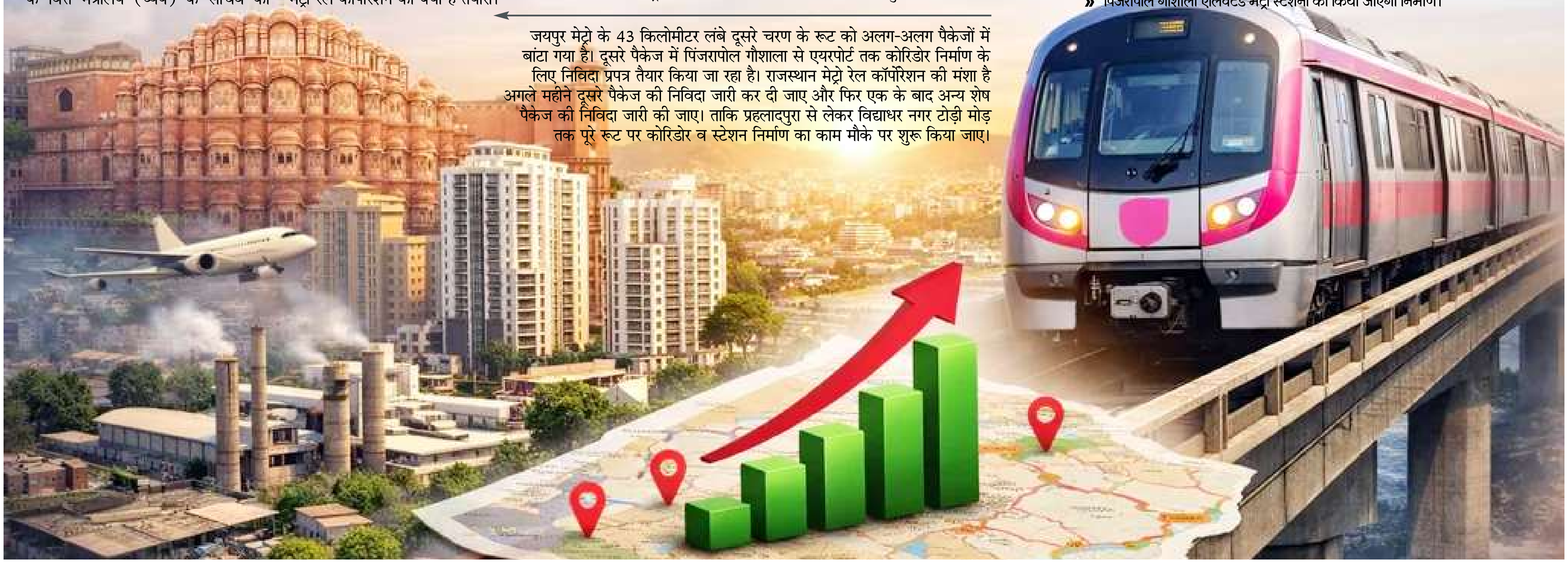

क्या आपको याद है कि आखिरी बार कागज़ पर पेन या पेंसिल से पूरे मन से कब कुछ लिखा था? जिसमें न ऑटो-करेक्ट था, न कोई स्क्रीन, न कॉपी-पेस्ट और न ही Ctrl+Z। डिजिटल दौर में हमारे हाथों में गैजेट्स तो आ गए हैं, लेकिन पेन और कागज़ चुपचाप पीछे छूटते जा रहे हैं। मोबाइल पर तो सिर्फ अंगूठा ही चल रहा है। शायद ही आपने सोचा होगा कि हैंडराइटिंग से नाता टूटने का असर धीरे-धीरे हमारे दिमाग और व्यवहार पर पड़ रहा है। हाथ से लिखना कितना है ज़रूरी और क्या हैं इसके फायदे?

देखिए जागरूक जनता का यह फीचर पेज.....

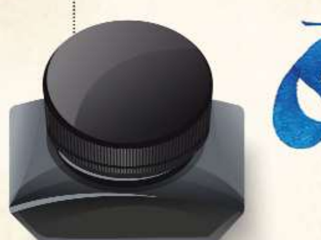

डिजिटल डिवेलपमेंट ने हमारे हाथों में तमाम गैजेट्स थमाकर हमसे छीन लिए हैं कागज़ और कलम, क्या इसीलिए शब्दों के साथ धुंधली हो रही हैं हमारी यादें

क्या हम अंगूठा छाप बन रहे हैं?

वर्ल्ड हैंडराइटिंग डे
23 जनवरी पर विशेष

एक्सपर्ट की राय

हाथ से लिखना ऐसा बारीक स्किल है जो हमारे माइंड के कई हिस्सों को एक साथ ऐक्टिव रखता है। इससे दूर जाने का मतलब है दिमाग के कई हिस्सों की ऐक्टिविटी कम करते जाने की तरफ बढ़ना।

चित्रा बसेरा, प्रिंसिपल, एनके पब्लिक स्कूल, मुरलीपुरा

हैंडराइटिंग से पर्सनैलिटी का भी पता चलता है और इसके जरिए उस शख्स की कमियों का पता लगाकर उन्हें दूर करने पर भी काम किया जा सकता है।

-राजेश जौहरी, हैंडराइटिंग एनालिस्ट और पावर ऑफ हैंडराइटिंग के फाउंडर

भूले साइन

42 साल की ऋचा को बीते दिनो बैक मे उस वक्त परेशानी का सामना करना पड़ा जब उन्होंने जो साइन किए, वे बैंक में दर्ज उनके साइन से मैच नही हुए। उन्हें मैनेजर से मुलाकात करनी पड़ी। उन्होंने अपना मोबाइल निकाला और झटपट टाइप करके वे डॉक्यूमेंट निकाले जो उनकी पहचान की पुष्टि कर सकें। तब जाकर बैंक में दर्ज उनके साइन उन्हें दिखाए गए। इसके बाद ऋचा ने बैंक में खड़े होकर अपने ही साइन की प्रैक्टिस की और आखिर में वह काम किया जिसके लिए बैंक पहुंची थीं। ऋचा की तरह तमाम लोग होंगे जिन्हें अब लिखने और पेन के इस्तेमाल की आदत ही नही रह गई है। लैपटॉप पर काम करना हो तो टाइपिंग, मोबाइल पर सिर्फ अंगूठे या वॉइस कमांड से ही सारा काम हो जाता है। अब लिखने की ज़रूरत ही नही पड़ती, तभी तो अपना साइन तक मैच नही हो पाता। पहले जो परेशानियां बड़ी उम्र मे आती थी, वे अब कम उम्र मे ही सामने आ रही हैं क्योंकि हम लिखने की आदत छोड़ रहे हैं।

लिखने और टाइप करने में फर्क

आज हममें से ज्यादातर लोग लिखने की जगह टाइप करते हैं। इसका असर हमारे दिमाग पर पड़ता है। सीनियर न्यूरो सर्जन डॉ. दलजीत सिंह कहते हैं कि जब हम पेन से कागज पर लिखते हैं तो हमारे अंगूठे के साथ बाकी उंगलियां भी ऐक्टिव रहती हैं। हाथ से लिखना एक पूरा प्रोसेस है। सबसे पहले हमारे अंदर कोई विचार आता है, उसे कागज पर लिखने के लिए शब्द यानी कोई डिज़ाइन हमारे माइंड में आता है। तब उसे कागज पर लिखते हैं। यह प्रोसेस हमारे माइंड के अलग-अलग हिस्सों को ऐक्टिव रखता है। वहीं, आजकल जब सामने रखे कंप्यूटर या मोबाइल में बने हुए अल्फाबेट देखकर टाइप करते हैं तो माइंड के कई हिस्से काम ही नहीं करते। मोबाइल पर तो सिर्फ अंगूठे का इस्तेमाल होता है और वह भी अक्षर देखते हुए। यह बदलाव दिमाग पर इतना असर डाल सकता है कि उसके कुछ हिस्से काम करना ही बंद कर सकते हैं। यह बदलाव जल्दी नहीं, लेकिन कुछ बरसों में देखने को मिल सकता है। हमारी मेमरी, थिंकिंग पावर पर अभी से असर पड़ रहा है। एक लाइन में कहें तो हम अंगूठा छाप बन रहे हैं।

छूट रही दिमागी एक्सरसाइज़

हैंडराइटिंग एनालिस्ट राजेश जौहरी कहते हैं कि हम कंप्यूटर और AI पर हम बहुत ज्यादा निर्भर होते जा रहे हैं और इंसान होने की अपनी सबसे बड़ी खासियत यानी हमारे माइंड की पावर को ही कम कर रहे हैं। क्रिएटिविटी कम होती जा रही है और इसकी सबसे बड़ी वजह है माइंड की सबसे अच्छी एक्सरसाइज़ न करना, जो है हाथ से लिखना। हैंडराइटिंग को एक्सरसाइज़ की तरह लेना होगा, तभी कई परेशानियों से बच सकेंगे। जो लोग किसी न किसी तरह से लिखने के काम या फिर पेंट, स्केच आदि में लगे रहते हैं उनकी मेंटल हेल्थ बेहतर रहती है।

अब कुछ याद नहीं रहता

मशीनों पर निर्भरता और दिमाग को कम इस्तेमाल करने से हम काफी कुछ खो रहे हैं। पहले पहाड़े याद होते थे। बिना कैलकुलेटर जोड़-भाग-गुणा करते थे। पूरे परिवार ही नहीं, तमाम रिश्तेदारों और दोस्तों के नंबर भी याद होते थे। आज तो खुद के 2 या 3 सिम हों तो उनके नंबर याद नहीं रहते। अपना दूसरा नंबर शेयर करना हो तो अपनी ही कॉन्टैक्ट लिस्ट में ढूंढना पड़ता है। डायरी पर नंबर लिखने की आदत छूट गई है।

'हे सीरी' या 'हे भगवान'

ऐपल के वर्चुअल असिस्टेंट 'सीरी' और ऐसे ही इसके भाई-बहन वॉइस कमांड पर ही तमाम काम कर रहे हैं। अब कुछ टाइप करने या कोई कमांड देने के लिए अंगूठे का इस्तेमाल करने तक की ज़रूरत नहीं। बस 'हे सीरी' बोला और हो गया काम। अगर ऐसे ही सीरी को 'भगवान' बनाते रहे तो हमारे माइंड के कई हिस्से कुछ बरसों में काम करना बंद कर देंगे।

सब्र हो रहा कम, बढ़ रही टेंशन

हमारा पेशंस लेवल कम हो रहा है। जब मशीनों के साथ सब काम फास्ट-फास्ट करने लगेंगे तो हाथ से लिखकर संयम बनाए रखने जैसी आदत तो छूट ही जाएगी। तभी तो जरा-जरा सी बात पर गुस्सा कर बैठते है। सड़क पर किसी की गाड़ी हमारी गाड़ी से छू गई तो झगड़ा कर लेते है। इसी के साथ देखें तो आज स्ट्रेस, टेंशन, एंग्जाइटी जैसी माइंड की कई परेशानियां बढ़ रही हैं। अल्जाइमर, डिमेंशिया जैसी जो परेशानियां पहले ज्यादा उम्र में देखने को मिलती थी, वे अब कम उम्र में दिख रही हैं।

हाथ से लिखने के फायदे

- लगातार लिखने से ब्रेन में ब्लड सर्कुलेशन अच्छा होता है।
- ऑक्सीजन की सप्लाई भी इससे बेहतर होती है।
- हैपी हार्मोस रिलीज होते हैं।
- नेगेटिव थॉट्स निकल जाते हैं।
- लिखने की आदत से सब्र बढ़ता है और टेंशन कम होती है।
- हमारी क्रिएटिविटी बढ़ती है और माइंड जवान रहता है।

लिखने के 6 पैटर्न की प्रैक्टिस कर लें हर दिन

1. तनाव कम करने, मन और शरीर में बेहतर तालमेल, दिमाग में खून और ऑक्सीजन की अच्छी सप्लाई, उंगलियों की बारीक पकड़ पर कंट्रोल, चीज़ों को सही तरह से देखने-समझने की क्षमता बेहतर करने के लिए।

2. एकाग्रता, छोटी-छोटी बातों पर गौर करने और क्रिटिकल थिंकिंग यानी सही-गलत को समझने की क्षमता बढ़ाने के लिए।

3. फोकस बढ़ाने, तरक्की करने, पढ़ाई में बेहतर प्रदर्शन, सोचने-समझने की क्षमता बढ़ाने के लिए।

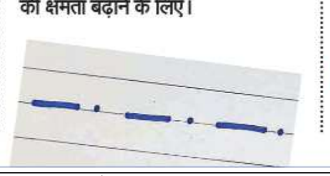

4. दिमाग के बाएं और दाएं हिस्से के बीच बेहतर तालमेल, रिश्तों में सुधार और इम्यूनिटी मजबूत करने के लिए।

5. कैलकुलेशन, स्किल मजबूत करने, दक्षता (Competency), विशेषज्ञता (Specialisation), आत्ममंथन (Introspection), आत्मबोध (Self realisation) के लिए।

6. अच्छे रिश्ते, क्रिएटिविटी, बेहतर कम्यूनिकेशन और टाइम मैनेजमेंट के लिए।

नोटः रोजाना 10-15 मिनट इन पैटर्न की एक्सरसाइज़ बहुत सुधार ला सकती है।

86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों का लखनऊ में सम्मेलन

विधायिका भारतीय लोकतंत्र की धड़कन, हमारे हाथों की शक्ति जनता द्वारा दी गई पवित्र धरोहर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने लखनऊ में 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन में मंगलवार को जनता के प्रति विधायिका की जवाबदेही विषय पर विधायिका को स्वयं का आत्म मूल्यांकन करने लोक और तंत्र के सेतु को सतत और सशक्त बनाने, नई चुनौतियों से मुकाबले के साथ भविष्य को प्रभावशाली बनाने के लिए दूरदर्शी उद्बोधन दिया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की सबसे मजबूत नींव जनता का अडिग विश्वास होता है। यह विश्वास जनता से निरंतर संवाद, पारदर्शिता और उत्तरदायित्वपूर्ण आचरण से ही कायम रह सकता है। देवनानी ने विधायिका को भारतीय लोकतंत्र की धडकन बताया।

विधायी जनता को आकांक्षाओं का दर्पण

देवनानी ने कहा कि विधायिका कोई स्वतंत्र सत्ता-केंद्र नहीं, बल्कि जनता की आकांक्षाओं और अपेक्षाओं का दर्पण है। सदन में बैठने वाला प्रत्येक सदस्य केवल स्वयं का नहीं, बल्कि लाखों नागरिकों की सामूहिक आवाज का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने महात्मा गांधी के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि लोकतंत्र की कसौटी यह है कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय और अधिकार पहुंचें। उन्होंने स्पष्ट किया कि जवाबदेही केवल चुनाव के समय नहीं, बल्कि सदन के प्रत्येक सत्र, प्रत्येक बहस, प्रत्येक प्रश्न और प्रत्येक विधायी हस्तक्षेप में दिखाई देनी चाहिए। एक जीवंत लोकतंत्र वही है जिसमें विधायिका जनता की समस्याओं को केवल सुनती ही नहीं, बल्कि उन्हें गहराई से महसूस कर समाधान के लिए प्रतिबद्ध रहती है। देवनानी ने कहा कि संवैधानिक नैतिकता केवल कागजों पर अंकित शब्द नहीं है, बल्कि यह हमारे रोजमर्रा के विधायी कार्यों का हिस्सा होनी चाहिए। जब हम सदन में बैठते हैं, तो हमें संविधान के ट्रस्टी के रूप में व्यवहार करना चाहिए, क्योंकि हमारे हाथ में जो शक्ति है, वह जनता द्वारा दी गई पवित्र धरोहर है।

अल्पमत की आवाज को दिया सम्मान, सदन की श्रेष्ठता का पैमाना

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि सदन की श्रेष्ठता बहुमत की शक्ति से नहीं, बल्कि अल्पमत की आवाज को दिए गए सम्मान से तय होती है। असहमति और स्वस्थ आलोचना लोकतंत्र की मजबूती का प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि संवाद और वाद-विवाद ही विधायिका की जवाबदेही के मजबूत स्तंभ हैं। देवनानी ने कार्यपालिका पर प्रभावी नियंत्रण को विधायिका का प्रमुख संवैधानिक दायित्व बताया। उन्होंने कहा कि जनता के कर से एकत्रित प्रत्येक रुपये का उपयोग जनकल्याण में हो, यह सुनिश्चित करना विधायिका का परम कर्तव्य है। प्रश्नकाल, ध्यानाकर्षण प्रस्ताव और शून्यकाल को उन्होंने जनता की आवाज का सशक्त माध्यम बताया।

विधायी समितियां लघु सदन है

देवनानी ने कहा कि विधायी समितियों की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि समितियां "लघु सदन" के रूप में कार्य करती हैं, जहां गहन, निष्पक्ष और तकनीकी समीक्षा संभव होती है। समिति प्रतिवेदन केवल फाइलों तक सीमित न रहें, बल्कि उन पर सदन में चर्चा हो और सरकार द्वारा की गई कार्यवाही का विवरण अनिवार्य रूप से प्रस्तुत किया जाए। उन्होंने बताया कि राजस्थान विधानसभा ने लोक लेखा समिति और प्राक्कलन समिति के माध्यम से वित्तीय अनुशासन को सुदृढ़ किया है तथा यह सुनिश्चित किया है कि समितियों की रिपोर्ट पर समयबद्ध और प्रभावी कार्रवाई हो। साथ ही सदस्यों के प्रशिक्षण, अभिमुखीकरण कार्यक्रम, बाल विधानसभा और यूथ पार्लियामेंट जैसी पहलों से भविष्य की पीढ़ी को लोकतांत्रिक मूल्यों से जोड़ा जा रहा है।

एक जिलाएक पहचान थीम पर 22 को आयोजित होगी पंच गौरव चित्रकला प्रतियोगिता

जयपुर @ जागरूक जनता। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुसार पंच-गौरव प्रोत्साहन योजना के तहत विद्यार्थियों को योजना की महत्ता, उपयोगिता एवं आवश्यकता से परिचित कराने के उद्देश्य से 22 जनवरी को जयपुर जिले के समस्त राजकीय एवं निजी विद्यालयों में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को आयोजन के संबंध में जिम्मेदारियां सौंपी है। प्रतियोगिता की थीम "एक जिला-एक पहचान" निर्धारित की गई है। इसके अंतर्गत विद्यार्थी आमेर दुर्ग, कबड्डी खेलते हुए खिलाड़ी, रत्नाभूषण, आंवला का पौधा एवं उससे निर्मित उत्पाद तथा लिसोड़ा का पौधा एवं उससे निर्मित उत्पादों से संबंधित चित्र बनाएंगे। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों को जिले की सांस्कृतिक विरासत, खेल परंपरा एवं स्थानीय उत्पादों की पहचान से अवगत कराना है।

राजस्थान वाटरग्रिड कॉरपोरेशन लिमिटेड को मजबूती प्रदान करना राज्य सरकार की प्राथमिकता

जयपुर @ जागरूक जनता। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने राजस्थान वाटरग्रिड कॉरपोरेशन लिमिटेड को मजबूती प्रदान करने की आवश्यकता पर बल दिया है। उन्होंने इस सम्बन्ध में मंगलवार को शासन सचिवालय में आयोजित बैठक में चर्चा कर आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किए। मुख्य सचिव ने कहा कि राजस्थान वाटरग्रिड कॉरपोरेशन लिमिटेड को मजबूती प्रदान करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने इस हेतु निर्देश दिए कि राज्य सरकार और एशियन डवलपमेंट बैंक (एडीबी) के सहयोग से प्रारंभिक प्रोजेक्ट रिपोर्ट (पीपीआर) तैयार कर केन्द्र सरकार को स्वीकृति के लिए शीघ्र प्रेषित की जाए।

कोटा विवि का 12वां दीक्षांत समारोह 23 को

कोटा @ जागरूक जनता। राजस्थान में कोटा विश्वविद्यालय, कोटा का 12वां दीक्षांत समारोह 23 जनवरी को कृषि प्रबंध संस्थान स्थित ऑडिटोरियम, नयापुरा में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर वर्ष 2023 की परीक्षाओं में उत्तीर्ण कुल 80 हजार 117 विद्यार्थियों को यूजी, पीजी एवं पीएच.डी. की उपाधियां प्रदान की जाएंगी। समारोह की अध्यक्षता राजस्थान के राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े करेंगे।

लोकभवन में आदिवासी युवा आदान प्रदान कार्यक्रम : आदिवासी युवाओं से संवाद

उच्च शिक्षा के बाद उच्च सेवाओं में जाने के लिए मन से प्रयास करें युवा- राज्यपाल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने मंगलवार को लोकभवन में "आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम" के अंतर्गत ओडिसा, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, झारखंड आदि प्रांतों से आए आदिवासी युवा प्रतिभागियों से संवाद किया। राज्यपाल ने इस दौरान कहा कि ग्रामीण और आदिवासी युवाओं को राष्ट निर्माण से जोड़ने और परस्पर विचार विनिमय की दृष्टि से युवा आदान प्रदान कार्यक्रम बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने आदिवासी युवाओं को उच्च शिक्षा के बाद उच्च सेवाओं में जाने के लिए परीक्षाएं देने और सफल होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आदिवासी युवा मन बनाकर उच्च शिक्षा, व्यवसाय और उच्च सेवा परीक्षा में सफलता प्राप्त करने के प्रयास करें। इसी से आदिवासी समाज तेजी से आगे बढ़ सकेगा। बागडे ने युवाओं को नशे और व्यसन से दूर रहने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति को अशक्त करता है। इससे शारीरिक और मानसिक क्षमता का नाश होता है। उन्होंने भारत की संस्कृति को विश्व की प्राचीनतम संस्कृति बताते हुए कहा कि विविधता होते हुए भी हमारी श्रद्धा और भक्ति एक है। भारत की संस्कृति मनों को जोड़ने वाली है।आरम्भ में भारत सरकार के गृह मंत्रालय की ओर से प्रायोजित इस युवा आदान प्रदान कार्यक्रम के बिहार, झारखंड और ओडिसा के प्रतिभागियों ने अनुभव भी सुनाए। युवाओं ने आदिवासी संस्कृति से जुड़ी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी। राज्यपाल ने आदिवासी संस्कृति के श्रेष्ठ कार्यक्रम देने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित भी किया।

"राजस्थान इंडस्ट्री एंड एसएमई समिट"

औद्योगिक विकास का प्रमुख आधार है एसएमई-राज्यपाल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि देश के औद्योगिक विकास का प्रमुख आधार लघु, सूक्ष्म और मध्यम उद्यम, एसएमई ही है। इसी से लाखों परिवारों को रोजगार मिलता है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलती है। इसलिए इन पर सर्वाधिक ध्यान दिया जाना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राजस्थान में आरंभ से ही उद्यमशीलता की प्रवृति रही है। इस प्रवृति को वैश्विक अवसरों में बदलते हुए भविष्य की असीम संभावनाओं के लिए मिलकर कार्य किया जाए। राज्यपाल मंगलवार को "राजस्थान इंडस्ट्री एंड एसएमई समिट" में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने में लघु एवं मध्यम उद्योगों का ही सबसे बड़ा योगदान है।

राज्यपाल ने भारत के तेजी से विकसित राष्ट्र बनने की चर्चा करते हुए कहा कि विश्व के 28 राष्ट्रों ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को सम्मानित किया है। इससे पहले कभी ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि देश तेजी से सभी क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बन रहा है। उन्होंने भारत के उद्योगों को सशक्त बनाने के लिए सभी को मिलकर कार्य करने का आह्वान किया।

ऋतु अतिरिक्त महानिदेशक (ADG), PIB सम्मानित

जयपुर @ जागरूक जनता। ऋतु शुक्ला, भारतीय सूचना सेवा (आईआईएस) की वरिष्ठ अधिकारी हैं और वर्तमान में भारत सरकार के प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो एवं सेंट्रल ब्यूरो ऑफ कम्युनिकेशन में अतिरिक्त महानिदेशक के पद पर कार्यरत हैं। वे अपनी दूरदर्शिता, सशक्त नेतृत्व और प्रभावी संचार क्षमता के लिए व्यापक रूप से जानी जाती हैं। सरकारी नीतियों, योजनाओं और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों को आमजन तक पारदर्शी, सटीक और प्रभावी ढंग से पहुँचाने में उनका योगदान अत्यंत सराहनीय रहा है। मीडिया समन्वय और जनसंपर्क के क्षेत्र में कार्य निष्ठा, प्रतिबद्धता और उत्कृष्टता का प्रतीक है। आर्मी डे कार्यक्रम की सफलतापूर्वक राष्ट्रव्यापी कवरेज में मीडिया की सक्रिय और प्रभावी भूमिका सुनिश्चित करने के लिए उन्हें भारतीय सेना के प्रमुख (आर्मी चीफ) द्वारा सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनके नेतृत्व में किए गए उत्कृष्ट संचार प्रबंधन और समन्वय का प्रमाण है, जिसने कार्यक्रम को व्यापक जनसमर्थन और पहचान दिलाई। उनका व्यक्तित्व और कार्यशैली युवाओं–विशेषकर महिलाओं–के लिए प्रेरणास्रोत है, जो सार्वजनिक सेवा में नेतृत्व, संवेदनशीलता और प्रभावी संवाद के नए मानक स्थापित करती है।

विधानसभा सत्र को लेकर कलेक्ट्रेट में कंट्रोल रूम की स्थापना

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। 16वीं राजस्थान विधानसभा के पंचम सत्र की बैठक 28 जनवरी से प्रारम्भ होने जा रही है। विधानसभा सत्र के दौरान प्राप्त होने वाले तारांकित एवं अतारांकित प्रश्नों सहित ध्यानाकर्षण, विशेष उल्लेख एवं अन्य प्रस्तावों के समयबद्ध एवं समुचित प्रत्युत्तर भिजवाने हेतु जिला कलेक्ट्रेट में नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम) की स्थापना की गई है। नियंत्रण कक्ष कार्यदिवसों के साथ-साथ राजकीय अवकाश के दिनों में भी प्रातः 8 बजे से रात्रि 10 बजे तक दो पारियों में संचालित किया जाएगा। अतिरिक्त जिला कलक्टर (पूर्व) नरेन्द्र कुमार वर्मा को नियंत्रण कक्ष का प्रभारी अधिकारी तथा संस्थापन अधिकारी बाबूलाल मीणा को सह-प्रभारी नियुक्त किया गया है। नियंत्रण कक्ष से संबंधित मोबाइल नंबर 9785273342 तथा ई-मेल आईडी generalsectionjpr@gmail.com निर्धारित की गई है। कक्ष के सुचारू संचालन हेतु 12 अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। नियंत्रण कक्ष को प्राप्त होने वाले विधानसभा प्रश्नों, ध्यानाकर्षण अथवा विशेष उल्लेख प्रस्तावों को रजिस्टर में दर्ज कर तत्काल संबंधित शाखा को प्रेषित किया जाएगा।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं, सक्षम गुप्ता, पुत्र महेश चंद गुप्ता, निवासी मानसरोवर जयपुर, पुष्टि और घोषणा करता हूँ कि मैं एक बोनाफाइड छात्र हूँ जिसने वर्ष 2023 में सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन से सेकेंडरी परीक्षा (कक्षा 10वीं) पास की है, जिसमें मेरे पिता का नाम "महेश चंद गुप्ता" सही दर्ज है। मैंने वर्ष 2025 में सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन से सीनियर सेकेंडरी परीक्षा (कक्षा 12वीं) भी रोल नंबर 11704135, स्कूल योगीराज पब्लिक स्कूल नयनोहारा कोटा राजस्थान से पास की है। इसमें अनजाने में प्रिंटिंग त्रुटि के कारण, मेरी कक्षा 12वीं की मार्कशीट में मेरे पिता का नाम गलती से "महेशचंद गुप्ता" छप गया है, जबकि सही नाम "महेश चंद गुप्ता" है, जैसा कि मेरी कक्षा 10वीं की मार्कशीट और अन्य आधिकारिक रिकॉर्ड में है। भविष्य में मेरे पिता का नाम "महेश चंद गुप्ता" की पढ़ा, जाना और पहचाना जावें।

सक्षम गुप्ता।

भारतीय विदेश सेवा - 2025 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों ने की मुख्य सचिव से मुलाकात

तकनीक के प्रयोग से विभागीय कार्यों में बढ़ रही पारदर्शिता और शुद्धता - मुख्य सचिव

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। भारतीय विदेश सेवा- 2025 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों ने मंगलवार को शासन सचिवालय में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास से मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्य सचिव ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत 2047 के सपने को साकार करने में डिजिटलाइजेशन का बहुत महत्व है। उन्होंने कहा कि तकनीक का प्रयोग राजकार्य की प्रक्रिया को न केवल सरल बनाता है, बल्कि इससे विभागीय कार्यों में पारदर्शिता और शुद्धता भी आती है। प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि नवीन विचारों और खोजपरक दृष्टि से आप जैसे युवा आमजन के जीवन में बहुत परिवर्तन ला सकते हैं। उन्होंने प्रदेश के बारे में बताया कि राजस्थान देश-विदेश में एक प्रसिद्ध पर्यटक हब के रूप में विकसित है तथा यहां सौर ऊर्जा की भी अपार संभावनाएं मौजूद हैं। मुख्य सचिव ने प्रशिक्षु अधिकारियों का परिचय लेते हुए सौहार्दपूर्ण वातावरण में उनसे बातचीत की तथा उनके पूरे विजिट कार्यक्रम की जानकारी भी ली। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा आमजन की समस्या के समाधान के लिए संचालित 181 हेल्पलाइन का उदाहरण देते हुए कहा कि इस व्यवस्था के माध्यम से आम नागरिकों की शिकायतों का समाधान नियत समय पर किया जाता है, जिससे सरकार की जवाबदेही तय होने के साथ-साथ लोगों में सरकार के प्रति विश्वास भी मजबूत होता है।

संस्कृति विभाग द्वारा राष्ट्रगीत वंदे मातरम् की 150 वीं वर्षगांठ के अवसर पर चार चरणों में विशेष कार्यक्रमों का होगा आयोजन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। अतिरिक्त मुख्य शासन सचिव कला एवं संस्कृति, प्रवीण गुप्ता ने बताया है कि संस्कृति विभाग द्वारा राष्ट्रगीत वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर राज्यभर में चार चरणों में विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है, जिसके तहत द्वितीय चरण में कार्यक्रम 19 से 26 जनवरी तक किए जाएंगे। अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता ने बताया कि गणतंत्र दिवस के दिन यहां राज्यपाल के आतिथ्य में कार्यक्रम आयोजित होंगे। साथ ही सभी जिला मुख्यालयों, ब्लॉक मुख्यालयों, ग्राम पंचायतों तथा स्कूल-कॉलेजों में ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान के पश्चात बड़े पैमाने पर सामूहिक वंदे मातरम् गायन किया जाएगा। कार्यक्रमों में मंत्रीगण, सांसद, विधायक, जनप्रतिनिधि, स्थानीय अधिकारी, प्रमुख हस्तियां और नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी।

आम सूचना

मौजा ग्राम भुजेला, पटवार हल्का भारजा तहसील पिण्डवाड़ा, जिला-सिरोही में खसरा नं. 3069/134 रकबा 0-16 बीघा यानि 2023-42 वर्गमीटर के औद्योगिक प्रयोजन सपरिवर्तन आदेश क्र. भ.क./2019/1056-62 दिनांक 30.08.2019 में श्रीमान उपखण्ड अधिकारी महोदय पिण्डवाडा द्वारा इस आवेदक श्री युन्निया उर्फ चुन्नीलाल पुत्र श्री पीराजी जाति मेणा निवासी भुजेला के पक्ष में हुआ था। तद्परांत यह भूमि अन्तिम क्रेता cmc palace & resort के नाम से क्रय की गई जिस हेतु मूल दस्तावेज जो ऊपर वर्णित है, को बैक में जमा करवा दिये गये थे। परन्तु आज दिनांक 20/01/2026 में यह पाया गया है कि राजस्थान ग्रामीण बैंक के रक्षण में होते हुए मूल दस्तावेज का पेज नम्बर-5 मूल दस्तावेज के साथ संलग्न नहीं है। यह सूचना भविष्य के किसी भी विवाद से बचाव हेतु प्रसारित की जा रही है।

सम्पादकीय

एससी का फैसला और कर अनिश्चितता

सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में भारतीय कर प्राधिकरणों और टाइगर ग्लोब एवं अन्य (निर्धारिती) से संबंधित मामले में जो निर्णय दिया है, उसे देश के कर न्यायशास्त्र में एक ऐतिहासिक फैसले के रूप में देखा जा रहा है। इस निर्णय का भारत में मौजूदा विदेशी निवेशों और भविष्य के निवेश प्रवाह पर महत्वपूर्ण असर पड़ने की संभावना है। यह मामला टाइगर ग्लोबल की मॉरीशस-स्थित इकाइयों द्वारा फ्लिपकार्ट (जो सिंगापुर में पंजीकृत है और भारत में कारोबार और संपत्तियां रखता है) के शेयरों की बिक्री से संबंधित था। ये शेयर वॉलमार्ट इंक (जो अमेरिका में पंजीकृत है) द्वारा फ्लिपकार्ट के अधिग्रहण में बेचे गए थे। निर्धारिती ने लाभ पर कर छूट पाने के लिए भारतीय कर प्राधिकरणों से संपर्क किया। हालांकि, कर प्राधिकरणों ने नोट किया कि निर्धारिती भारत-मॉरीशस दोहरा कराधान परिहार समझौता (डीटीएए) के तहत छूट पाने के पात्र नहीं थे। वर्षों की कानूनी लड़ाई के बाद, सर्वोच्च न्यायालय ने पिछले सप्ताह कर प्राधिकरणों के पक्ष में निर्णय सुनाया। भारत और मॉरीशस के बीच का समझौता, हस्ताक्षर होने के बाद से ही जांच के दायरे में रहा है। इसे कर से बचने का रास्ता माना गया। समय-समय पर कर बचाव को कम करने के लिए डीटीएए और संबंधित प्रावधानों में संशोधन किए गए, लेकिन नवीनतम निर्णय इस राह को पूरी तरह बंद कर सकता है। जब इस मामले में निर्धारितियों ने अथॉरिटी फॉर एडवांस रूलिंग्स (एएआर) से संपर्क किया, तो उसने निष्कर्ष निकाला कि यह लेन-देन कर से बचने के लिए ही डिजाइन किया गया था। एएआर ने पाया कि संबंधित कंपनियों का प्रबंधन नियंत्रण मॉरीशस में निदेशक मंडल के पास नहीं था। उसने यह भी कहा कि डीटीएए के तहत जब लाभ भारतीय कंपनियों के शेयरों की बिक्री से उत्पन्न होता है तो छूट केवल मॉरीशस के निवासियों को दी जाती है। इस मामले में लाभ सिंगापुर की इकाई की बिक्री से उत्पन्न हुआ था। इसलिए यह छूट के लिए पात्र नहीं था। हालांकि उच्च न्यायालय ने एएआर के निष्कर्षों को खारिज कर दिया था, लेकिन पिछले सप्ताह सर्वोच्च न्यायालय ने कर प्राधिकरणों के पक्ष में फैसला सुनाते हुए उच्च न्यायालय के निर्णय को पलट दिया।

सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के बाद कई मुद्दे उभरे हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि भारत को अपनी कर संप्रभुता की रक्षा करनी चाहिए, लेकिन यह पूछना उचित है कि क्या मौजूदा कानूनों और संधियों की अलग-अलग व्याख्याएं, या कानूनों में पूर्वव्यापी बदलाव से निवेश माहौल को प्रभावित करने की अनुमति दी जानी चाहिए। सैद्धांतिक रूप से देखें तो कोई भी संस्था किसी विशेष क्षेत्राधिकार में मौजूदा कानूनों और संधियों के आधार पर निवेश करती है। ऐसे में, क्या तथ्यों की अलग व्याख्या के आधार पर मौजूदा निवेशकों को दंडित करना न्यायसंगत है? निष्पक्ष रूप से देखें तो बड़ी वैश्विक संस्थाएं अपने लेनदेन को इस तरह तैयार करती हैं कि कर देयता कम हो सके। लेकिन यदि कोई देश ऐसी व्यवस्थाओं से सहज नहीं है, तो उसे भविष्य के लिए खामियों को बंद करना चाहिए। पुरानी तारीख से लागू होने वाले बदलाव कारोबारी माहौल पर गंभीर असर डालते हैं। उदाहरण के लिए वर्तमान मामले में, कर निवास प्रमाणपत्र की वैधता पर प्रश्न उठाया गया है, जिसका अर्थ है कि एक लंबे समय से चली आ रही परंपरा की पुनः समीक्षा की जा रही है। इसके अलावा, ग्रैंडफादरिंग प्रावधानों (नए हालात में पुराने नियम लागू करने के प्रावधान) को भी सर्वोच्च न्यायालय ने यह कहते हुए खारिज कर दिया कि यद्यपि शेयर पूर्व में अधिग्रहीत किए गए थे, लेकिन बिक्री सामान्य कर-परिहार नियम और प्रावधान लागू होने के बाद हुई।

भारत सहित दुनिया भर में बेघर लोग सड़कों पर, फ्लाईओवर के नीचे या फिर झुग्गियों में अपने दिन बिता रहे हैं। असल में बेघर लोग समाज के सबसे कमजोर वर्ग में से हैं, जिन्हें लगातार कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। यह एक गंभीर सामाजिक और मानवीय समस्या बनती जा रही है।

लगातार बढ़ती बेघर लोगों की समस्या

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

अमित बैजनाथ
पत्रकार
@jagrukjanta.net

दुनिया में बेघर लोगों पर रिपोर्ट जारी करने वाली ओईसीडी का कहना है कि सबसे ज्यादा बेघर लोगों वाले देशों की लिस्ट में पाकिस्तान पहले नंबर पर है। वहां करीब 80 लाख से ज्यादा लोग बिना घर के सड़कों पर रहने को मजबूर हैं। लिस्ट में सीरिया 53 लाख बेघर लोगों के साथ दूसरे नंबर पर है, जबकि बांग्लादेश 50 लाख बेघर लोगों के साथ तीसरे नंबर पर है। चीन 25.79 लाख बेघर लोगों के साथ 9वें स्थान पर है। वहीं 25 लाख बेघर लोगों के साथ नेपाल 10वें स्थान पर है। अमेरिका और ब्रिटेन जैसे विकसित देशों का भी इस लिस्ट में होना यह दिखाता है कि आवास की समस्या एक वैश्विक चुनौती है। वहीं भारत की आबादी 140 करोड़ से ज्यादा होने के बावजूद बेघर लोगों की संख्या 17.70 लाख तक ही सीमित है।

रिपोर्ट कहती है कि पाकिस्तान में 80 लाख लोगों के बेघर होने की मुख्य वजह देश की आर्थिक अस्थिरता है। पिछले कुछ सालों से पाकिस्तान गंभीर महंगाई और आर्थिक मंदी से जूझ रहा है। गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इसके साथ ही भयानक बाढ़ और प्राकृतिक आपदाओं ने हजारों घर तबाह कर दिए हैं। राजनीतिक अस्थिरता और आवास योजनाओं की कमी के कारण वहां के आम लोगों को छत मुहैया कराना नामुमकिन सा होता जा रहा है। पाकिस्तान में राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी भी वहां के लोगों के विकास में बाधा बन रही है। वहां भुखमरी और महंगाई भी चरम पर है, जिसके चलते आम लोगों का जीवन कठिन होता जा रहा है। पाकिस्तान में हालात दुनिया के मुकाबले बहुत विकट हैं, क्योंकि वहां हर तरह की अस्थिरता लोगों की तकलीफों में लगातार इजाफा कर रही है।

अगर भारत की बात करें तो रिपोर्ट कहती है कि 17.70 लाख बेघर लोगों के साथ भारत दुनिया में 13वें स्थान पर है। देश में बेघर लोगों की संख्या कम होने की वजह पीएम आवास योजना का अहम योगदान है। प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) के तहत करोड़ों परिवारों को अपना घर बनाने में मदद की जा रही है। इससे बेघर लोगों की संख्या में काफी कमी आई है। इसके अलावा भारत की स्थिर आर्थिक ग्रोथ ने लोगों की खरीदने की क्षमता बढ़ाई है, जिससे उन्हें छोटे-मोटे घर खरीदने में आसानी हुई है। वहीं शहरीकरण और रोजगार बढ़ रहे हैं। बढ़ते

शहरीकरण के बावजूद ग्रामीण इलाकों में रोजगार गारंटी जैसी योजनाएं लोगों के पलायन को रोक रही हैं और उन्हें अपने ही गांव में घर बनाए रखने में मदद कर रही हैं। साथ ही मजबूत संयुक्त और पारंपरिक परिवार व्यवस्था भी आर्थिक मुश्किलों के समय लोगों को सहारा दे रही है।

वहीं केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने राज्यसभा में बताया था कि देश में 17.73 लाख लोग बेघर हैं, जिनमें से 9.38 लाख शहरी क्षेत्रों में और 8.34 लाख ग्रामीण क्षेत्रों में हैं। राज्यों की बात की जाए तो उत्तर प्रदेश में शहरी क्षेत्र में 1.80 लाख लोग बेघर हैं। इसके बाद महाराष्ट्र में 1.11 लाख, पश्चिम बंगाल में 1.04 लाख और गुजरात में 84,822 लोग शहरी क्षेत्रों में बेघर हैं। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में उत्तर प्रदेश में 1.48 लाख लोग, राजस्थान में 1.08 लाख लोग, महाराष्ट्र में 99,535 लोग और आंध्र प्रदेश में 69,354 लोग बेघर हैं। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों की बात की जाए तो उत्तर प्रदेश में बेघर लोगों की संख्या 3.29 लाख है। इसके बाद महाराष्ट्र में 2.10 लाख, राजस्थान में 1.81 लाख, पश्चिम बंगाल में 1.34 लाख, मध्य प्रदेश में 1.46 लाख, आंध्र प्रदेश में 1.45 लाख और गुजरात में 1.44 लाख लोग बेघर हैं। अगर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की बात करें तो 2001 की जनगणना के अनुसार दिल्ली में 24,966 लोग बेघर थे। वहीं 2011 की जनगणना के अनुसार दिल्ली में 46,724 लोग बेघर थे। बेघर लोगों के लिए काम करने वाले गैर सरकारी संगठनों का दावा है कि दिल्ली में करीब 1.50 लाख से ज्यादा लोग बेघर हैं। इन संगठनों का कहना है कि दिल्ली की तमाम सड़कों, मोहल्लों, फ्लाईओवरों, गुरुद्वारों, बाजारों, रेलवे की खाली पड़ी जमीनों और पार्क-मैदानों में लाखों बेघर लोग रह रहे हैं। इनका दावा है कि दिल्ली का आंकड़ा और भी ज्यादा है, क्योंकि दिल्ली की बेघर आबादी के कई हिस्सों को नहीं गिना जा सका है। मसलन, दिल्ली के प्रमुख व्यापारिक केंद्रों जैसे पुरानी दिल्ली में देर रात तक काम करने वाले बेघर व्यक्तियों की एक बड़ी संख्या की गिनती नहीं की जा सकती है। भारत सहित दुनिया भर में बेघर लोग सड़कों पर, फ्लाईओवर के नीचे या फिर झुग्गियों में अपने दिन बिता रहे हैं। असल में बेघर लोग समाज के सबसे कमजोर वर्ग में से हैं, जिन्हें लगातार कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। यह एक गंभीर सामाजिक और मानवीय समस्या बनती जा रही है। बेघर लोगों की स्थिति अत्यंत दयनीय और असुरक्षित होती है, जहां उन्हें भोजन, आश्रय, स्वास्थ्य सेवा और सुरक्षा जैसी बुनियादी जरूरतों के लिए संघर्ष करना पड़ता है, जिससे वे हिंसा, बीमारी (शारीरिक और मानसिक), कुपोषण और अत्यधिक मौसम के संपर्क में रहते हैं और अक्सर सामाजिक कलंक, शोषण और मानवाधिकारों के उल्लंघन का सामना करते हैं। किफायती आवास की कमी, गरीबी और नौकरी छूटना मुख्य कारण हैं। कोविड जैसी घटनाओं ने इस समस्या को और बढ़ा दिया है। बेघर लोगों को हृदय रोग, श्वसन संक्रमण और संक्रामक रोगों का खतरा अधिक होता है। साथ ही मानसिक स्वास्थ्य और आघात की समस्याएं आम हैं। उनकी स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच मुश्किल होती है। सड़क पर रहने वाले लोग हिंसा, यौन शोषण और चोरी के शिकार होने की अधिक संभावना रखते हैं। महिलाएं और बच्चे विशेष रूप से असुरक्षित होते हैं। उन्हें निश्चित और सुरक्षित जगह नहीं मिलती, जिससे वे अत्यधिक ठंड या गर्मी जैसी मौसम की मार झेलते हैं और पानी-स्वच्छता का अभाव होता है। वे अक्सर गरीब, हाशिए पर होते हैं और उन्हें पहचान पत्र या अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता, जिससे वे गरीबी के दुष्चक्र में फंस जाते हैं। बेघर होना पर्याप्त आवास के मानवाधिकार का उल्लंघन है और राज्य की सहायता न कर पाने की विफलता को अमानवीय व्यवहार माना जा सकता है।

बेघर लोगों की मदद करने के लिए सबसे पहले तो सरकारों को आगे आना होगा। उन्हें बेघरों को घर बनाकर देने होंगे। किफायती आवास का निर्माण और संरक्षण बेघर होने की समस्या को रोकने के सबसे प्रभावी तरीकों में से एक है। अधिक आवास इकाइयों का निर्माण आवश्यक है और वर्तमान आवास कम आय वाले परिवारों के लिए सुलभ बने रहने चाहिए। इसके साथ ही आम लोग भी बेघरों की मदद कर सकते हैं। बेघर लोगों को भोजन, कपड़े और स्वच्छता किट देना, आश्रयों में दान या स्वयं सेवा करना और बेघरपन से जुड़े प्रणालीगत मुद्दों के समाधान के लिए वकालत करना शामिल है। साथ ही उन्हें नकदी या उपहार कार्ड देना, ताकि वे अपनी जरूरतें खुद चुन सकें।

हिन्दुस्तान के राजनीतिक इतिहास में नया अध्याय हुआ शुरू

45 वर्षीय भाजपा को मिला 45 वर्षीय युवा नेतृत्व-जोगाराम पटेल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। भाजपा प्रदेश कार्यालय में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर नितिन नबीन के निर्विरोध निर्वाचित होने के उपलक्ष्य में भव्य उत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों, आतिशबाजी और भारत माता की जय, भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद, नरेंद्र मोदी जिंदाबाद, जेपी नड्डा जिंदाबाद, नितिन नबीन जिंदाबाद के नारों के साथ खुशी जाहिर की। कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को लड्डू खिलाकर जश्न मनाया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भजनलाल सरकार के कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्विरोध निर्वाचन पर समस्त कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करता हूं। भाजपा परिवार की ओर से नितिन नबीन जी को बहुत-बहुत बधाई। आज हिन्दुस्तान के राजनीतिक इतिहास में नया अध्याय प्रारंभ हुआ है। 45 वर्षीय भाजपा को 45 वर्षीय युवा नेतृत्व मिला है, जो राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रप्रेम और अमृत काल में देश को गौरव की ऊंचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक पार्टी को आज नया और ऊर्जावान नेतृत्व मिला है। राजस्व मंत्री हेमंत मीणा ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन को बधाई देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में पार्टी नए आयाम स्थापित करेगी। भाजपा देश की वह पार्टी है जो देश के युवाओं को साथ लेकर चलती है। युवा नेतृत्व के माध्यम से देश में नई ऊर्जा का संचार होगा। टीएसपी क्षेत्र सहित पूरे देश में युवा राष्ट्र निर्माण की दिशा में मजबूती से कार्य करेंगे।

भाजपा महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी ने कहा कि युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष के चयन से देशभर के युवाओं में नया जोश देखने को मिल रहा है। भाजपा में कार्य और सेवा के आधार पर अवसर मिलता है, जबकि अन्य दल परिवारवाद पर आधारित हैं। भाजपा ने एक बार फिर सिद्ध किया है कि यह युवाओं की पार्टी है। आने वाले समय में संगठन और सरकार के बीच बेहतर तालमेल के साथ पार्टी और अधिक सशक्त होगी।

इस दौरान भाजपा के प्रदेश महामंत्री भूपेंद्र सैनी, मिथिलेश गौतम, प्रदेश मंत्री अजीत माढण, अपूर्वा सिंह, भाजपा कार्यालय सचिव मुकेश पारीक, प्रदेश के मुख्य प्रवक्ता रामलाल शर्मा, भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष राखी राठौड़, युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष शंकर गेरा, जयपुर जिला अध्यक्ष अमित गोयल, भाजपा मीडिया प्रभारी प्रमोद वशिष्ठ, आईटी प्रभारी अविनाश जोशी सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधिगण और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आखर आखर झरे उजियार

त्रिवेणी में स्नान से धन्य हो जाय ये जीवन

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

गोपाल प्रभाकर
पत्रकार
@jagrukjanta.net

अहर व्यक्ति सुख की कामना करता है। हमेशा खुश रहने की चाहत उसे प्रयत्नशील बनाये रखती है। बचपन में खिलौने से वह आनंदित होता है। तरुणाई में मित्र मण्डली के बीच खुशी तलाशता है।जवानी में अपने बच्चों और परिवार की सुखमय लीलाओं में व्यस्त हो जाता है। फिर वृद्धावस्था में प्रभु का भजन सहारा बन जाता है। मनुष्य का मन हमेशा परिवर्तन पसन्द करता है। जैसे सुमित के पास आज जो मोबाइल फोन है,संतोषजनक ढंग से काम कर रहा है।परन्तु उसने प्रणीत के पास बेहतर किस्म का मोबाइल देख लिया तो वह भी उस बेहतर मोबाइल के लिए अपने पिता से आग्रह करता है। मान लो बेहतर किस्म का मोबाइल उन्होंने दिला भी दिया तो दो चार दिन या ज्यादा से ज्यादा हफ्ते भर वो खुशी कायम रहेगी। फिर बाद में वो खुशी नदारद हो जाएगी। सब कुछ जैसे सामान्य हो जाएगा। यानी कोई भी सुख शाश्वत सुख नहीं बन पाता,अस्थाई बना रहता है।ये पूरा जीवन सुख सुविधाएं जुटाने में बीत जाता है, लेकिन मन फिर भी अतृप्त बना रहता है। कभी-कभी तो लगता है कि बचपन कितना अच्छा था। न कोई फिक्र, न कोई चिंता। मिट्टी के घरोंदे और कागज की नावें बनाने में ही खुश हो लेते थे। कभी कागज से कोट पेंट तो कभी हवाई जहाज तक बना कर आनन्दित हो जाते थे।

हमेशा खुश रहने की कला बस, इतनी ही है कि जो हमारे पास है उससे आनंदित रहें। सरलता से जीवन व्यतीत करें। अधिक से अधिकतर की आकांक्षा मनुष्य को बेचैन बनाये रखती है। इसका मतलब अपने विकास को अवरुद्ध करना नहीं है। व्यक्तिगत और समष्टिगत विकास की चाहत में प्रयास तो करना ही है, लेकिन व्यग्रता के साथ नहीं। किसी से तुलना करते हुए नहीं। परिस्थिति से विचलित नहीं होना है, जब कि मनःस्थिति पूरी तरह बदलना है।प्रयासों की मर्यादा में जो है उसे स्वीकार करते हुए धैर्य के साथ लक्ष्यों की पूर्ति के लिए आगे बढ़ते रहना है। जो भी कार्य करें सजग होकर होश में करें। चलना फिरना और बात करना।..सब कुछ सजगता से हो। तीसरी बातः मन में सदाशयता हो ....किसी के प्रति कपट और कुटिलता नहीं हो। सभी के प्रति सद्भावना हो। कुल मिलाकर निष्कर्ष यह है कि बच्चों जैसी सरलता, वरिष्ठ जन जैसी सजगता और सदाशयता की त्रिवेणी में हमें स्नान करने की कला आ जाये तो जीवन धन्य हो जाए।

जयपुर जिले में 23 जनवरी से ग्राम पंचायतों में आयोजित होंगे ग्राम उत्थान शिविर

12 विभागों की योजनाओं की मिलेगी जानकारी, मौके पर होंगी स्वीकृतियां जारी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य सरकार द्वारा ग्राम-2026 (ग्लोबल राजस्थान एग्री-टेक मीट-2026) की तैयारियों एवं ग्रामीण उत्थान को गति देने के उद्देश्य से जयपुर जिले के गिरदावर सर्किल की समस्त ग्राम पंचायतों में एक दिवसीय विशेष ग्राम उत्थान शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इन शिविरों का शुभारम्भ 23 जनवरी को बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर किया जाएगा। शिविरों का आयोजन 23 जनवरी से प्रारम्भ होकर 24, 25 एवं 31 जनवरी तथा 1 एवं 5 से 9 फरवरी तक कुल 10 दिवसों में किया जाएगा। प्रत्येक गिरदावर वृत पर ये शिविर प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक आयोजित होंगे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा ग्राम-2026 की समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों की अनुपालना में आयोजित इन शिविरों में कृषि, उद्यानिकी, कृषि विपणन, पशुपालन, डेयरी, मत्स्य पालन, सहकारिता, जल संसाधन, ऊर्जा, उद्योग, आपदा प्रबंधन, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज सहित संबंधित विभागों की सहभागिता रहेगी। शिविरों के माध्यम से कृषकों, पशुपालकों एवं ग्रामीणों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की जाएगी तथा पात्र लाभार्थियों को मौके पर ही स्वीकृतियां जारी की जाएंगी। शिविरों की जानकारी ग्रामीणों तक पहुंचाने के लिए 22 जनवरी, 2026 को ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में मंगलवार को जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में संबंधित विभागों की समन्वय बैठक आयोजित की गई। कृषि एवं उद्यानिकी विभाग द्वारा तारबंदी, डिग्गी, पाइपलाइन, फार्म पॉण्ड, फव्वारा एवं ड्रिप, प्लास्टिक मल्च, सौर पंप संयंत्र की स्वीकृतियां, बैलों से खेती करने पर 30 हजार रुपये प्रोत्साहन राशि, फसल बीमा एवं एमएसपी की जानकारी, आधुनिक कृषि यंत्रों का प्रदर्शन, सॉइल हेल्थ कार्ड वितरण, सोलर पंप एवं पॉलीहाउस के आवेदन तैयार करने सहित बीज एवं मिनी किट वितरण का सत्यापन किया जाएगा। कृषि विपणन विभाग द्वारा पीएमएफएमई के आवेदन तैयार करना, मुख्यमंत्री कृषक साथी सहायता योजना के आवेदनों का निस्तारण तथा किसान विश्राम स्थल निर्माण हेतु प्रस्ताव तैयार किए जाएंगे।

वन स्टेट-वन इलेक्शन अव्यवहारिक -कांग्रेस

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान की भाजपा सरकार प्रदेश के सर्वांगीर्ण विकास हेतु आवश्यक पंचायत राज एवं निकाय चुनावों को वन स्टेट-वन इलेक्शन के नाम पर लम्बे समय तक रोका रखा जिसका खामियाजा प्रदेश की जनता को विकास से वंचित होकर उठाना पड़ रहा है, 78 पंचायत समितियों का कार्यकाल अभी शेष है और इसी प्रकार 12 जिला परिषदों का कार्यकाल भी शेष है, इनमें से 52 पंचायत समिति और 6 जिला परिषदों का कार्यकाल दिसम्बर, 2026 तक होने के कारण इनके चुनाव 15 अप्रेल से पूर्व नहीं करवाये जा सकते हैं, इसलिये वन स्टेट-वन इलेक्शन अव्यवहारिक है। राज्य सरकार ने पूर्व में 4 जुलाई, 2025 तक पंचायत समितियों एवं जिला परिषद् के वार्डों की पुनर्सीमांकन प्रक्रिया पूर्ण करने की तारीख दी थी, किन्तु इस समय सीमा को निकले हुये लम्बा समय बीत गया है। पंचायत राज विभाग ने 17 दिसम्बर, 2025 को दो सप्ताह में वार्डों के पुनर्सीमांकन हेतु आपत्तियां लेकर वार्डों की अंतिम सूची प्रकाशित करने हेतु परिपत्र जारी किया था, लेकिन आज तक किसी भी जिले में जिला कलेक्टर द्वारा वार्डों की अंतिम सूची प्रकाशित नहीं हुई है।

राजस्थान ऊर्जा संरक्षण पुरस्कारः ऊर्जा संरक्षण में उत्कृष्ट योगदान के लिए 73 विजेता सम्मानित

बिजली बचाने में प्रत्येक नागरिक दे अपना योगदान - ऊर्जा मंत्री

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि प्रदेश का प्रत्येक नागरिक जागरूक होकर ऊर्जा संरक्षण के प्रति दायित्व को समझते हुए बिजली बचाने में अपना योगदान दे। उन्होंने कहा कि तीव्र शहरीकरण एवं औद्योगिकीकरण के वर्तमान दौर में ऊर्जा संरक्षण की आवश्यकता और बढ़ गई है। इसी को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा दे रही है।

ऊर्जा मंत्री मंगलवार को कांस्टीट्यूशनल क्लब में राजस्थान ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ऊर्जा संरक्षण और आर्थिक प्रगति एक-दूसरे के पूरक हैं। ऊर्जा संरक्षण से जहाँ औद्योगिक इकाइयों की लागत में कमी आती है, वहीं उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ती है, हरित रोजगार के अवसर सृजित होते हैं तथा पर्यावरण संरक्षण को भी बल मिलता है। नागर ने पुरस्कार विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि आज उन उद्योगों, संस्थानों, निकायों एवं व्यक्तियों को सम्मानित करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है, जिन्होंने ऊर्जा दक्षता को अपनाया, नवीन तकनीकों का उपयोग किया तथा ऊर्जा खपत और कार्बन उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी लाकर समाज में ऊर्जा संरक्षण की संस्कृति को प्रोत्साहित किया है। इससे पहले ऊर्जा मंत्री ने कहा कि राजस्थान नवीकरणीय ऊर्जा एवं ऊर्जा दक्षता के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य है। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वर्ष-2070 तक नेट ज़ीरो तथा वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में राज्य सरकार पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

पंचांग

ज्योतिर्विद अक्षय शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 21/01/2026

सूर्योदय : 07:20 **सूर्यास्त :** 17:55 **चन्द्रोदय :** 08:55 **चन्द्रास्त :** 20:26 **शक सम्वत :** 1947 विश्वावसु **विक्रम सम्वत :** 2082 कालयुक्त **अमान्त महीना :** माघ **पूर्णिमांत :** माघ **सूर्य राशि :** मकर **चन्द्र राशि :** कुम्भ **पक्ष :** शुक्ल **तिथि :** तृतीया, 26:45 तक **वार :** बुधवार **दिक-वैदिक ऋतु :** शिशिर **दिक-वैदिक अयन :** उत्तरायण **कलियुग :** 5126 वर्ष.

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : धनिष्ठा, 13:47 तक
योग : व्यतिपात, 18:50 तक
प्रथम करण : तैतिल, 14:45 तक
द्वितिय करण : गारा, 26:45 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	05:27 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	05:54 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	02:19 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	05:49 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	05:51 पी एम से
अमृत काल	7:6 ए एम, जनवरी 22 से
निशिता मुहूर्त	12:6 ए एम, जनवरी 22 से
रवि योग	01:58 पी एम से

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में

राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में

होमाहुति : सूर्य-बुध

चन्द्रवास : पश्चिम

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	: 07:19 - 08:39	उद्वेग	: 17:55 - 19:35
अमृत	: 08:39 - 09:58	शुभ	: 19:35 - 21:16
काल काल वेला	: 09:58 - 11:17	अमृत	: 21:16 - 22:56
शुभ	: 11:17 - 12:37	चर	: 22:56 - 00:37
रोग वार वेला	: 12:37 - 13:56	रोग	: 00:37 - 02:17
उद्वेग	: 13:56 - 15:16	काल	: 02:17 - 03:58
चर	: 15:16 - 16:35	लाभ	: 03:58 - 05:38
लाभ	: 16:35 - 17:55	उद्वेग	: 05:38 - 07:19

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघड़िया माना जाता है एवं उद्वेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघड़िया माना जाता है।

आज तृतीया

आज कौन सा कार्य करें

तृतीया को यात्रा, शिल्प, चूड़ा कर्म, अन्नप्राशन व गृह प्रवेश शुभ है।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

माघ, शुक्ल, तृतीया, 2082 बुधवार, 21 जनवरी - 27 जनवरी, 2026

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
कार्यक्षेत्र की उलझनों को सुलझाने में मेहनत करनी पड़ेगी। अधिकारी वर्ग से अत्यधिक समर्थन मिलेगा। परिवार के सदस्यों के बीच प्रेमभाव में वृद्धि होगी। किसी धार्मिक आयोजन की सम्भावना बन रही है।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
व्यावसायिक अनुबन्ध करने से पहले पेपर्स वगैरह को ध्यान से रख लें। आप लोगों की मदद के लिये तैयार रहेंगे। लेकिन लोग मौका पड़ने पर आपको धोखा दे सकते हैं। वाणी पर संयम रखें।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
दिखावे के चक्कर में अपना नुकसान करा सकते हैं। व्यापार में प्रभावशाली लोगों से आपके सम्पर्क मजबूत होंगे। कई दिनों से चली आ रही समस्या का समाधान मिलेगा। पिता के ऊपर गर्व होगा।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
नौकरी पेशाओ को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा। ससुराल से लाभ होगा। पारिवारिक दायित्व बढ़ने से व्यस्तता रहेगी।

मिथुन [क, की,कु,घ, ङ,छ,के,को,ह]
वैवाहिक सम्बन्धों में तनाव उत्पन्न होने की सम्भावना है। नये सहयोगियों से आपको सावधान रहना चाहिये। शेयर मार्केट में बड़ा निवेश करने से आपको बचना चाहिये।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

कर्क [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
कार्यक्षेत्र में आपका विरोध करने वाले लोगों की आलोचना हो सकती है। वकालत के पेशे से जुड़े लोगों के लिये दिन बहुत अच्छा है। कानूनी मामलों में विजय मिलने की प्रबल सम्भावना है।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
परिजनों के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]
नया काम शुरू करने के लिये दिन अच्छा है। प्रेमीजन से झगड़ा हो सकता है। कुटीर उद्योगों से उत्तम धन लाभ होगा। तीखा भोजन करने से बचें। आपके काम का श्रेय दूसरे लोग ले सकते हैं।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
नए कार्यो का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशांति बढ़ेगी।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
अपने लक्ष्यों को लेकर थोड़े दबाव में रहेंगे। सरकारी काम में बाधा आ सकती है। विरोधी आपके सामने दोबारा सक्रिय हो सकते हैं।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
आर्थिक लाभ के लिए अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की संवेदनशील पहल से हो रहा आर्थिक सशक्तीकरण

समाज के वंचित तबके को रियायती ऋण देकर आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बना रही राज्य सरकार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा वंचित वर्गों के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। राज्य सरकार इन वर्गों के लिए स्वरोजगार, कौशल प्रशिक्षण तथा व्यावसायिक प्रशिक्षण के क्षेत्र में अनेक कार्यक्रम संचालित कर रही है, जिससे वे आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी बन सकें।

अंत्योदय की भावना को केंद्र में रखकर राज्य सरकार नीतियों एवं योजनाओं का क्रियान्वयन कर रही है, ताकि विकसित, समावेशी एवं सशक्त राजस्थान बनने की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ा जा सके।

बैंकों के माध्यम से भी ऋण स्वीकृति

अनुसूचित जाति उप-योजना के अंतर्गत राष्ट्रीयकृत एवं निजी बैंकों के माध्यम से भी ऋण स्वीकृत कराया जा रहा है। इसमें लक्ष्य 3 हजार 400 के विरुद्ध अब तक 2 हजार 670 व्यक्तियों को विभिन्न बैंकों से ऋण स्वीकृत कराया जा चुका है। प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना (पीएम-अजय) के तहत पात्र व्यक्तियों को प्रोजेक्ट लागत का 50 प्रतिशत अथवा अधिकतम 50 हजार रुपये (जो भी कम हो) अनुदान के रूप में उपलब्ध कराया जाता है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में अनुसूचित जाति के लाभार्थियों के लिए 452 लाख रुपये का अनुदान स्वीकृत किया जा चुका है। मुख्यमंत्री के प्रभावी नेतृत्व में प्रदेश सरकार अंत्योदय की भावना को आत्मसात करते हुए हर जरूरतमंद तबके के साथ खड़ी है। राज्य सरकार उन्हें आर्थिक संबल प्रदान कर आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने के लक्ष्य की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।

विभिन्न वर्गों को मिला ऋण का लाभ

राज्य सरकार द्वारा जनहित से जुड़ी सभी योजनाओं का क्रियान्वयन लाभार्थियों तक समयबद्ध किया जा रहा है। इसी के तहत निगम द्वारा गत वर्ष अनुसूचित जाति के 671 लाभार्थियों को लगभग 7.52 करोड़ रुपये, अनुसूचित जनजाति के 325 लाभार्थियों को लगभग 3.25 करोड़ रुपये, सफाई कर्मियों के 106 लाभार्थियों को लगभग 3.81 करोड़ रुपये तथा 51 दिव्यांगजनों को 58.08 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत किया गया है। विभिन्न वर्गों के पात्र लाभार्थियों को लगभग 20 करोड़ रुपये का ऋण वितरण किया गया है।

2025-26 के लिए आवेदन प्रक्रिया पूर्ण

मुख्यमंत्री के संवेदनशील नेतृत्व में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए भी ऑनलाइन ऋण आवेदन की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है। निर्धारित लक्ष्य 3 हजार 470 के मुकाबले 15 हजार 635 आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं, जो योजना के प्रति आमजन के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में जनवरी 2026 के दौरान जिला स्तरीय ऋण चयन समितियों द्वारा जिलेवार साक्षात्कार आयोजित किए जाएंगे। चयनित आवेदकों द्वारा आवश्यक दस्तावेज पूरे करने के बाद डीबीटी के माध्यम से ऋण राशि सीधे उनके खातों में पहुंच जाएंगी।

इसी दिशा में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अधीन राजस्थान अनुसूचित जाति, जनजाति वित्त एवं विकास सहकारी निगम लिमिटेड ने उल्लेखनीय पहल की है।

निगम द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, सफाई कर्मचारी एवं दिव्यांगजनों के 1 हजार 381 लाभार्थियों को लगभग 20 करोड़ रुपये के रियायती ब्याज पर ऋण स्वीकृत किए गए हैं। इससे इन्हें स्वरोजगार के नए अवसर मिल सकेंगे। मुख्यमंत्री की दूरदर्शी सोच और इस योजना का उद्देश्य लाभार्थियों को स्वरोजगार, व्यवसाय विस्तार और शिक्षा के लिए वित्तीय सहयोग प्रदान करना है, जिससे वे रोजगार प्रदाता बन सके। अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, दिव्यांगजन एवं सफाई कर्मियों के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में यह पहल महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है।

प्रदर्शनी, प्रतियोगिताओं के जरिए तंबाकू मुक्त से जागरूक हो रहे विद्यार्थी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ जिला जयपुर प्रथम व विकल्प इंडिया सोसाइटी, जयपुर के सहयोग से "तंबाकू-मुक्त विद्यालय जागरूकता कार्यक्रम" का शानदार आयोजन किया जा रहा है। राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम (NTCP) के तहत चलाए गए इस पहल में जयपुर प्रथम जिले के सभी ब्लॉक के स्कूल-कॉलेजों में वाद विवाद, चित्रकला, पोस्टर प्रदर्शनी और इंटरैक्टिव सत्र आयोजित हुए।

विकल्प इंडिया सोसाइटी के अध्यक्ष संजय कटारा ने बताया कि ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को तंबाकू के हानिकारक प्रभावों से परिचित कराना और उन्हें रोकथाम के लिए प्रेरित करना है। राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत सोसाइटी प्रतिनिधि हर विद्यालय महाविद्यालय में जाकर जागरूकता फैला रहे हैं, जिससे "तंबाकू-मुक्त विद्यालय" की नीति को धरातल पर उतारा जा सके। वाद विवाद प्रतियोगिता में छात्रों ने तंबाकू के सामाजिक और स्वास्थ्य-परिणामों को जीवंत रूप से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के बाद आयोजित संवाद सत्र में शिक्षक, सोसाइटी के सामाजिक कार्यकर्ता और छात्र-छात्राओं ने खुलकर प्रश्न पूछे और समाधान साझा किए। इस दौरान सभी स्कूलों के शिक्षक व विद्यार्थियों ने "तंबाकू-मुक्त" शपथ भी ली, जिससे भविष्य में इस दिशा में निरंतर प्रयास सुनिश्चित हो सके। विकल्प इंडिया सोसाइटी के प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर गौरव मिश्रा ने कहा, "हमारा लक्ष्य सिर्फ जानकारी देना नहीं, बल्कि व्यवहार में बदलाव लाना है। जब बच्चे खुद ही तंबाकू से दूर रहने का संकल्प लेंगे, तभी हम एक स्वस्थ समाज की ओर कदम बढ़ा पाएँगे।"यह जागरूकता अभियान NTCP के व्यापक प्रयासों का हिस्सा है, जिसमें स्कूल-प्रोग्राम,वाद विवाद प्रतियोगिता, प्रोजेक्टर के माध्यम से ऑडियो वीडियो प्रशिक्षण, चित्र लेखन प्रतियोगिता, IEC गतिविधियाँ और स्थानीय स्तर पर तंबाकू-नियंत्रण कानूनों, 9 सूचकांकों की निगरानी शामिल है। जयपुर प्रथम जिले के सभी ब्लॉक में इस प्रकार के कार्यक्रमों का विस्तार जारी रहेगा, जिससे जिले को तंबाकू -मुक्त भविष्य की ओर ले जाया जा सके।

हिन्दू सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन 23 को

जयपुर @ जागरूक जनता। सनातन सेवा ट्रस्ट (रजि.) के तत्वावधान में 23 जनवरी (शुक्रवार) बसंत पंचमी को हिन्दू सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजित किया जाएगा। ट्रस्ट के केशव अरोड़ा ने बताया कि सम्मेलन में 15 जोड़ों का पाणिग्रहण संस्कार आयोजित किया जाएगा। इसमें हिन्दू युवा वाहिनी राजस्थान, पंजाबी समाज सेवा समिति और रोटरी क्लब जयपुर डिग्निटी का सहयोग है।

बंसत पंचमी पर सजेगा राधावल्लभ लाल का दरबार

जयपुर @ जागरूक जनता। विद्याधरनगर श्री मंगलमुखी हनुमान मंदिर आश्रम कृष्णा कॉलोनी नया खेडा में बसंत पंचमी के पावन पर्व पर श्रीराधावल्लभ लाल का पाटोउत्सव कार्यक्र म मनाया जाएगा।मंदिर महंतश्री रामानंद दास महाराज के सौजन्य से संतों महंतों का भंडारा व सम्मान समारोह कार्यक्र म आयोजन किया जाएगा।

रीको में विभिन्न संवर्गों के 98 पदों पर भर्ती, युवाओं के लिए सुनहरा अवसर

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डवलपमेंट एंड इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (रीको) ने युवाओं के लिए रोजगार का बड़ा अवसर प्रदान करते हुए विभिन्न संवर्गों के 98 पदों पर भर्तियां निकाली हैं। रीको की इस नई भर्ती के अंतर्गत कम्पनी सचिव, सहायक नगर नियोजक, प्रोग्रामर, सहायक लेखाधिकारी-द्वितीय, कनिष्ठ विधि अधिकारी, निजी सहायक ग्रेड-द्वितीय, प्रारूपकार एवं कनिष्ठ सहायक जैसे महत्वपूर्ण पद शामिल हैं। कम्पनी सचिव, सहायक नगर नियोजक एवं प्रोग्रामर प्रत्येक के 1 पद पर भर्ती की जा रही है। सहायक लेखाधिकारी-द्वितीय के 21 पद, कनिष्ठ विधि अधिकारी के 4, निजी सहायक ग्रेड-द्वितीय के 8 पद, प्रारूपकार के 8 एवं कनिष्ठ सहायक के 54 पदों पर भर्ती की जा रही है। इन पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन 21 जनवरी 2026 से 20 फरवरी 2026 तक किए जा सकेंगे। गौरतलब है कि इससे पूर्व रीको द्वारा सिविल कैडर में 39 सहायक स्थल अभियंता पदों पर भर्ती प्रक्रि या शुरू की जा चुकी है जिसके लिए आवेदन की अंतिम तिथि 27 जनवरी 2026 निर्धारित की गई है। रीको राजस्थान सरकार का प्रमुख उपक्र म है, जो राज्य में औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना, उनके संचालन एवं रखरखाव तथा उद्योगों को ऋण उपलब्ध कराने का कार्य करता है। वर्तमान में रीको के 33 इकाई कार्यालयों के माध्यम से 445 औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए जा चुके हैं। राज्य के प्रतिष्ठित उपक्रम रीको में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं के लिए यह एक सुनहरा अवसर है। आवश्यक जानकारियां रीको की वेबसाइट www.riico.rajasthan.gov.in पर देख सकते हैं।

हज यात्रा के लिए नई गाइडलाइन जारी, मिलेंगी कई नई सुविधाएं

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में हज यात्रा-2026 के मुकद्दस सफर को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और सुगम बनाने के लिए केंद्रीय हज कमेटी ने नई गाइडलाइन जारी की है। इन दिशा-निर्देशों के तहत इस बार हज पर वही यात्री जा सकेंगे, जो चिकित्सकीय रूप से पूरी तरह स्वस्थ होंगे। कमेटी ने स्पष्ट किया है कि यात्रियों की सेहत को प्राथमिकता देते हुए सभी चयनित हज यात्रियों के लिए नया मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट अनिवार्य किया गया है। हज के लिए 18 अप्रेल से जयपुर एयरपोर्ट से उड़ानें शुरू होंगी। गाइडलाइन के अनुसार गंभीर बीमारियों से पीड़ित व्यक्तियों को हज यात्रा-2026 की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसमें डायलिसिस पर चल रहे किडनी मरीज, हार्ट फेल्योर, ऑक्सीजन पर निर्भर रोगी, गंभीर फेफड़ों की बीमारी, लिवर सिरोसिस या फेल्योर, गंभीर मानसिक या न्यूरोलॉजिकल रोग, डिमेंशिया से पीड़ित, संक्रामक रोगों से ग्रसित व्यक्ति, वायरल हेमरेजिक फीवर तथा कैंसर के वे मरीज शामिल हैं, जो कीमोथैरेपी या इम्युनिटी कम करने वाला इलाज ले रहे हों।

महिलाओं के लिए दिशा-निर्देश

महिलाओं के लिए भी स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। गर्भावस्था के अंतिम तीन महीनों वाली महिलाएं हज यात्रा के लिए पात्र नहीं होंगी।

सुविधाओं में भी इजाफा

हज यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के लिए इस वर्ष कई नई व्यवस्थाएं भी की गई हैं। हर हज यात्री को स्मार्ट वॉच उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे लोकेशन, समय और अन्य जरूरी जानकारियों में सहायता मिलेगी। मक्का के मीना क्षेत्र में सोफा-कम-बेड की सुविधा भी दी जाएगी।

राज्यमंत्री पर टिप्पणी के मामले में भाजपा नेता तेजराज सोलंकी को हाईकोर्ट से बड़ी राहत, गिरफ्तारी पर लगी अंतरिम रोक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सिरोही। रामझरोखा मंदिर ट्रस्ट की बहुचर्चित भूमि पर कथित रूप से नियम विरुद्ध पट्टे जारी किए जाने के प्रकरण को लेकर राज्य के राज्यमंत्री ओटाराम देवासी पर सोशल मीडिया में की गई टिप्पणी अब राजनीतिक और कानूनी बहस का विषय बन गई है। इस मामले में भाजपा नेता तेजराज सोलंकी के विरुद्ध दर्ज एफआईआर पर राजस्थान उच्च न्यायालय ने अहम हस्तक्षेप करते हुए उनकी गिरफ्तारी पर अगली सुनवाई तक रोक लगा दी है।

रामझरोखा ट्रस्ट भूमि विवाद

सिरोही सदर थाना में दर्ज एफआईआर संख्या 03/2026 नव परगना देवासी समाज के नाम से हार्दिक देवासी द्वारा पुलिस अधीक्षक को दिए गए परिवाद के आधार पर दर्ज की गई थी। इसमें आरोप लगाया गया था कि भाजपा नेता तेजराज सोलंकी ने सोशल मीडिया पर राज्यमंत्री ओटाराम देवासी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी कर सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास किया।

इस प्रकरण की सुनवाई राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर की एकलपीठ में माननीय न्यायमूर्ति कुलदीप माथुर के समक्ष हुई। अदालत ने प्रारंभिक सुनवाई के बाद तेजराज सोलंकी को अंतरिम राहत देते हुए उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगाने के आदेश पारित किए। साथ ही न्यायालय ने राज्य सरकार की ओर से लोक अभियोजक को पूरे मामले की तथ्यात्मक रिपोर्ट एवं केस डायरी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि मामले की गहन जांच आवश्यक है, ताकि यह तय किया जा सके कि सोशल मीडिया पर की गई टिप्पणी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के दायरे में आती है या फिर किसी दूसरी श्रेणी में। अगली सुनवाई 10 फरवरी 2026 को निर्धारित की गई है।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता तेजराज सोलंकी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विनीत जैन ने प्रवीन व्यास के साथ मजबूत पैरवी करते हुए दलील दी कि यह मामला राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित है और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दमन किया जा रहा है। वहीं राज्य सरकार की ओर से लोक अभियोजक हनुमान राम प्रजापति ने पैरवी की।

BNSS के विभिन्न धारा में दिये नोटिसों से सिरोही जिले में उबाल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सिरोही/पिण्डवाड़ा। कमलेश मेटा कास्ट की प्रस्तावित खनन परियोजना के खिलाफ शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे ग्रामीणों पर प्रशासन द्वारा BNSS की धारा 126 व 135(3) के तहत नोटिस जारी किए जाने से पूरे क्षेत्र में जबरदस्त आक्रोश फैल गया है। वाटेरा, भीमाना, भारजा और रोहिड़ा क्षेत्र के 50 से अधिक ग्रामीणों को मिले नोटिसों को जनता ने सीधे तौर पर आंदोलन को दबाने की कोशिश बताया है।

28 जनवरी के आंदोलन से पहले दबाव बनाने का आरोपः ग्रामीणों का कहना है कि 28 जनवरी को प्रस्तावित बड़े आंदोलन से पहले प्रशासन ने डर का माहौल बनाने के लिए यह कदम उठाया है। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि लोकतांत्रिक व संवैधानिक तरीके से अपनी बात रखने वालों को नोटिस देकर सरकार और प्रशासन जनभावनाओं को कुचलने का प्रयास कर रहे हैं।

गांव-गांव में नाराजगी, लामबंदी और तेजः नोटिस जारी होने के बाद गांवों में बैठकों का दौर तेज हो गया है। लोग एकजुट होकर परियोजना निरस्तीकरण की मांग पर अडिग हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यह परियोजना जल, जंगल और जमीन के लिए खतरा है, जिससे पशुपालन, खेती और पर्यावरण पर गंभीर असर पड़ेगा।

आज पिण्डवाड़ा कोर्ट में बड़ी सुनवाई : BNSS की धारा 126 व 135(3) के तहत जारी नोटिसों पर आज पिण्डवाड़ा कोर्ट में एक साथ बड़ी सुनवाई हुई। माननीय कार्यपालक मजिस्ट्रेट पिण्डवाड़ा के समक्ष दर्जनों ग्रामीणों की पेशी हुई। कोर्ट परिसर में सुबह से ही भारी संख्या में समर्थक और सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एड. तुषार पुरोहित व हार्दिक रावल ने रखा मजबूत पक्ष

ग्रामीणों की ओर से एडवोकेट तुषार पुरोहित और एडवोकेट हार्दिक रावल ने मजबूती से पक्ष रखा। उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय के कई ऐतिहासिक फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि शांतिपूर्ण आंदोलन करना नागरिकों का मौलिक अधिकार है और इसे दबाना असंवैधानिक है।

नोटिस को जन-अधिकारों के खिलाफ बताया : वकीलों ने दलील दी कि धारा 126 व 135(3) का उपयोग केवल वास्तविक और तात्कालिक खतरे की स्थिति में किया जा सकता है, न कि शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक आंदोलन को रोकने के लिए। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक कार्रवाई जन-अधिकारों के खिलाफ है और इसमें शक्ति का दुरुपयोग किया गया है।

कोर्ट में गंभीर बहस, प्रशासनिक कार्रवाई पर सवाल : सुनवाई के दौरान कोर्ट में कानूनी बिंदुओं पर गंभीर बहस हुई। ग्रामीणों के अधिवक्ताओं ने प्रशासनिक कार्रवाई की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि बिना किसी हिंसा या अव्यवस्था के संकेत के नोटिस जारी करना न्यायसंगत नहीं है।

जनभावनाओं की अनदेखी का मुद्दा प्रमुखता से उठा : कोर्ट में यह मुद्दा भी प्रमुखता से उठा कि प्रशासन ने जनभावनाओं की पूरी तरह अनदेखी की है। ग्रामीणों का कहना है कि वे केवल अपनी आजीविका और पर्यावरण की रक्षा के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

फैसले पर टिकी निगाहें, आंदोलन और तेज होने के संकेतः अब सभी की निगाहें माननीय मजिस्ट्रेट के फैसले पर टिकी हैं। उधर, क्षेत्र में आंदोलन और तेज होने के संकेत मिल रहे हैं। जनसमर्थन लगातार बढ़ रहा है और ग्रामीणों ने साफ कर दिया है कि वे कानूनी व संवैधानिक दायरे में रहकर अपना संघर्ष जारी रखेंगे।

जयपुर पोलो सीजन 2026

पिंक सिटी में फिर 'नाइट पोलो' और 'लेडीज कप' बटोरेंगे सुर्खियां

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर पोलो सीजन 2026 का भव्य आगाज हो चुका है. जयपुर के पोलो प्लेयर सवाई पद्मनाभ सिंह ने इस साल के कैलेंडर की घोषणा करते हुए बताया कि यह अब तक का सबसे बड़ा और आधुनिक सीजन होने जा रहा है। खेल के साथ-साथ इस बार जयपुर की पोलो विरासत में कई नई तकनीकें और महिला सशक्तिकरण के अध्याय जुड़ने वाले हैं।

14-गोल टूर्नामेंटः सीजन के सबसे हाई-प्रोफाइल मुकाबले

इस सीजन का मुख्य केंद्र 14-गोल वाले दो बड़े टूर्नामेंट होंगे। 9 से 15 फरवरी तक रैफल्स सिरमौर कप खेला जाएगा, जिसके तुरंत बाद 16 से 21 फरवरी तक प्रतिष्ठित महाराजा सवाई भवानी सिंह जयपुर कप का आयोजन होगा। ये टूर्नामेंट दुनिया भर के बेहतरीन पोलो खिलाड़ियों को अपनी ओर आकर्षित करेंगे।

लेडीज पोलोः मैदान में दिखेगा महिला शक्ति का दम

पोलो के खेल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए 22 फरवरी को दिया कुमारी फाउंडेशनलेडीज पोलो कप 2026 का आयोजन किया जाएगा। पद्मनाभ सिंह ने बताया कि पिछले साल के जबरदस्त उत्साह को देखते हुए इस मैच को खास तौर पर डिजाइन किया गया है, ताकि ज्यादा से ज्यादा महिलाएं इस हॉर्स स्पोर्ट्स से जुड़ सकें।

नाइट पोलो और ऑल-वेदर एरीनाः बदल जाएगी पोलो की तस्वीर

राजस्थान पोलो क्लब जयपुर को साल भर चलने वाले पोलो हब के रूप में विकसित कर रहा है। इसके लिए मैदान में फ्लडलाइट्स लगाई जा रही हैं, जिससे अब जयपुर में 'नाइट पोलो' का रोमांच देखा जा सकेगा। साथ ही, हर मौसम में ट्रेनिंग जारी रखने के लिए एक 'इनडोर एरीना' और घोड़ों के लिए एक अत्याधुनिक 'इक्वाइन हॉस्पिटल' भी बनाया जा रहा है।

साताना स्कॉलरशिपः युवाओं के लिए इंटरनेशनल ट्रेनिंग के रास्ते

उभरती प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए क्लब ने 'साताना स्कॉलरशिप' की शुरुआत की है। इसके तहत युवा खिलाड़ी आर्यमन सिंह को अर्जेंटीना जाकर ट्रेनिंग लेने का अवसर दिया गया है। इसके अलावा, 2 से 8 मार्च तक जयपुर जूनियर कप (-21) का आयोजन होगा, जो नई पीढ़ी के खिलाड़ियों के लिए एक बड़ा मंच बनेगा।

ऐंटिबायोटिक दवाओं का असर होता है तो उन्हें बिना वजह और ज्यादा लेने से शरीर पर बुरा असर भी पड़ता है। हमने इन दवाओं का इतना ज्यादा उपयोग किया है कि अब ये कई बीमारियों को ठीक करने में बेअसर होने लगी हैं। हद तो यहां तक है कि इनसे जानवर भी नहीं बचे हैं। केंद्र सरकार ने भी इस पर ध्यान दिया है। ऐंटिबायोटिक दवाओं को कब लेना चाहिए? कब नहीं? इनका हम पर क्या असर पड़ रहा है?

पढ़िये जागरूक जनता की एक रिपोर्ट

किसी भी प्रयोग के लिए जागरूक जनता उत्तरदायी नहीं है। किसी डॉक्टर से सलाह अनुसार ही प्रयोग करें।

ऐंटिबायोटिक दवाएं ही बन रही हैं 'बीमारी'!

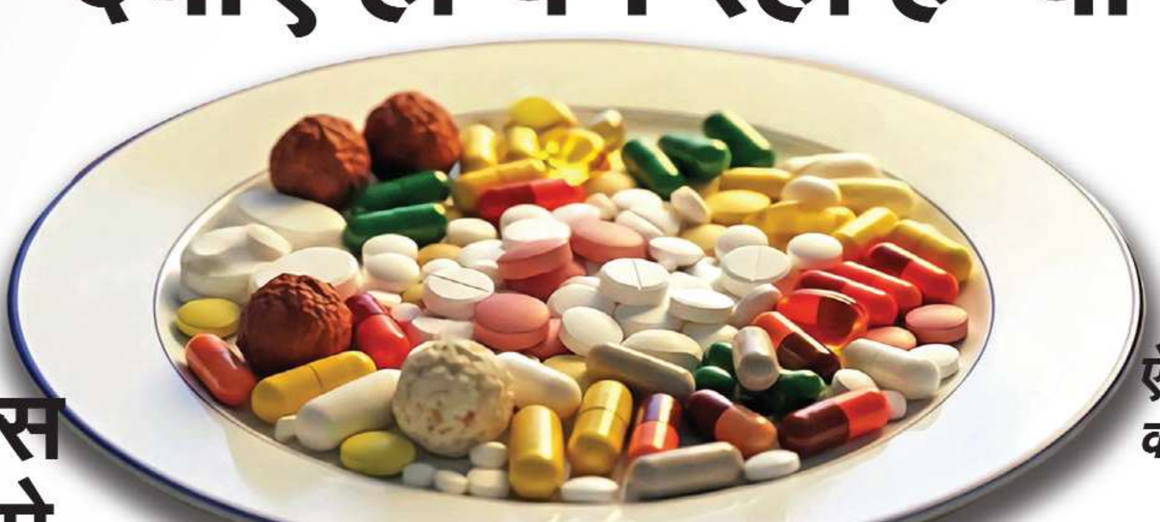

बिना वजह ऐंटिबायोटिक्स लेते रहें तो हम जल्द ही ऐंटिबायोटिक दवा की खोज से पहले वाली स्थिति में पहुंच जाएंगे।

ऐंटिबायोटिक्स बेवजह लेने से...

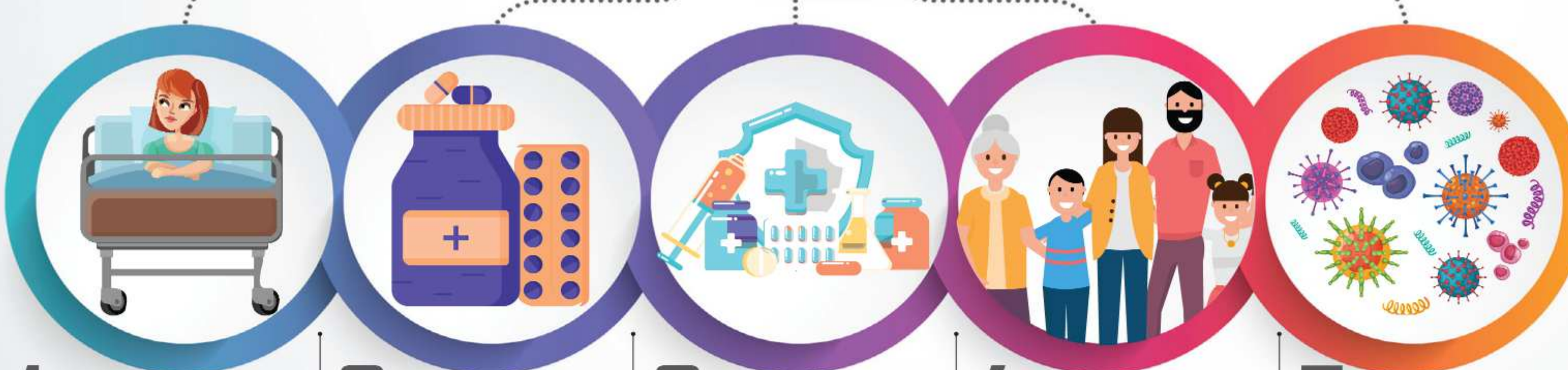

1 बिल बढ़ता है मरीज़ का

ऐंटिबायोटिक के ज्यादा उपयोग से जब बैक्टीरिया रेजिस्टेंस विकसित कर लेता है तो मरीज़ के अस्पताल में भर्ती रहने की अवधि बढ़ जाती है। सामान्य ऐंटिबायोटिक्स की बात तो छोड़ दें, हेवी ऐंटिबायोटिक्स भी ठीक से असर नही कर पाते। इससे पहले जहां मरीज़ 3-4 दिनों में ठीक होकर डिस्चार्ज हो जाता था, अब उसे ठीक होने में 10 दिन भी लग सकते हैं। इस वजह से इलाज का खर्च बढ़ता है। इतना ही नही, बीमारी के गंभीर होने का खतरा भी बढ़ जाता है।

2 सबकी सेहत के लिए खतरा

जब ज़रूरत न हो तब ऐंटिबायोटिक्स लेने से ऐंटिबायोटिक्स रेजिस्टेंस तेज़ी से बढ़ती है। यह दुनिया में स्वास्थ्य के लिए सबसे बड़े खतरों में से एक है। अहम बात यह कि भारत की स्थिति भी काफी खराब है। दुनिया के जिन देशों में ऐंटिबायोटिक्स के उत्पादन से लेकर मेडिकल स्टोर में पहुंचने और फिर मरीजों को देने तक का पूरा लेखा-जोखा रखा जाता है, वहां ऐंटिबायोटिक्स रेजिस्टेंस की स्थिति अभी उतनी बुरी नही हुई है जितनी अपने देश में होती जा रही है।

3 ऐंटिबायोटिक्स की रेजिस्टेंस

यह समझना भी जरूरी है कि रेजिस्टेंस किसमें होती है? कुछ लोग शायद गलती से यह मान बैठते है कि ज्यादा ऐंटिबायोटिक्स लेने से हमारे अंदर ऐंटिबायोटिक्स के प्रति रेजिस्टेंस पैदा हो जाता है। लेकिन सच यह है जो ऐंटिबायोटिक पहले बैक्टीरिया को खत्म करता था यानी जिससे बैक्टीरिया हार जाता था, उस बैक्टीरिया ने हमारे इस हथियार से लड़ना सीख लिया। इसलिए अब हम उसे हरा नही पाते और कई कई बार ज़िंदगी की जंग हार जाते हैं।

4 बीमारी से लड़ने की क्षमता कम

अगर किसी शख्स को यह लगता है कि किसी अडल्ट को गैरज़रूरी ऐंटिबायोटिक्स लेने से ज्यादा फर्क नही पड़ता तो वह गलत है। इस तरह की परेशानी चाहे वह बच्चा हो, युवा हो या फिर बुज़ुर्ग यानी किसी भी उम्र के लोगों को हो सकती है। आजकल युवाओं में भी निमोनिया जैसी बीमारी से लड़ने की क्षमता कम होती जा रही है। वही, डॉक्टरों को भी सीधे हेवी ऐंटिबायोटिक्स लिखने से बचना चाहिए। अगर ज़रूरी न हो तो न लिखें या फिर कम पावर की दवा लिखें।

5 हर मौसम में हो जाते हैं बीमार

जब बैक्टीरिया रेजिस्टेंट हो जाता है तो सामान्य इन्फेक्शन भी कई बार गंभीर बीमारी में बदल जाता है। ऐंटिबायोटिक्स का ज्यादा उपयोग करके हम जाने-अनजाने बैक्टीरिया को ही ज्यादा ताकतवर बना रहे है और अपने शरीर की इम्यूनिटी को कमज़ोर कर रहे है। जब इम्यूनिटी कमजोर होती है तो कोई भी बैक्टीरिया, वायरस बहुत ज्यादा शक्तिशाली हो जाता है। हम अक्सर बीमार रहने लगते है। हर बदलते मौसम का असर हम पर होने लगता है।

ऐंटिबायोटिक्स का उपयोग मनमर्ज़ी से न करें: PM मोदी

■ हेमंत राजौरा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में मन की बात कार्यक्रम में देशवासियों से ऐंटिबायोटिक दवाओं के उपयोग में सावधानी बरतने का आग्रह किया था। उन्होंने ICMR (इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च) की एक हालिया रिपोर्ट का हवाला दिया। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे मनमर्जी से दवाओं का उपयोग करने से बचें।

ICMR की सालाना रिपोर्ट ने बताया

ICMR ने देश में बढ़ते ऐंटिबायोटिक रेजिस्टेंस पर हाल ही में अपनी नई सालाना रिपोर्ट जारी की है, जिसमें साफ कहा गया है कि कई बैक्टीरिया पर कुछ ऐंटिबायोटिक दवाओं का असर कम हो रहा है। इस रिपोर्ट के अनुसार देश के बड़े अस्पतालों से लिए गए इन्फेक्शन वाले करीब 99 हजार मरीज़ों के सैंपल जांचे गए। इनमें सबसे ज्यादा ई-कोली (E.coli), क्लेबसिएला, स्यूडोमोनास और एसिनेटोबैक्टर जैसे बैक्टीरिया की मौजूदगी थी जो यूरिन इन्फेक्शन, ब्लड इन्फेक्शन और फेफड़ों के गंभीर रोग पैदा करते हैं।

मेडिकल साइंस के पास ये हैं रास्ते

एम्स के मेडिसिन विभाग के प्रफेसर डॉ. नीरज निश्चल के मुताबिक, 'ऐंटिबायोटिक दवाओ के बेअसर होने की समस्या यानी सुपरबग्स गंभीर खतरा बन चुके हैं। ICU में सेप्सिस (इन्फेक्शन की खतरनाक स्थिति) के कई मामले और टाइफाइड व टीबी जैसी बीमारियां अब ड्रग रजिस्टेंट हो रही हैं, जिससे इलाज महंगा और लंबा हो जाता है। इसकी वजह बिना ज़रूरत दवा लेना, अधूरा इलाज, अस्पतालों में इन्फ्केशन कंट्रोल की कमी और नकली दवाएं हैं। यह लड़ाई डॉक्टरों के साथ-साथ आम जनता को भी मिलकर लड़नी होगी और उन्हें ऐंटिबायोटिक्स के बेवजह इस्तेमाल से परहेज करना होगा। साथ ही, वैक्सिनेशन प्रोग्राम, साफ-सफाई भी बेहद ज़रूरी है।' साइंटिस्ट इलाज के नए और बेहतर विकल्प खोज रहे हैं। इनमें सबसे ज्यादा चर्चा 'फेज थेरपी' की है। यह बैक्टीरियोफेज नाम के वायरस का उपयोग करके ऐंटिबायोटिक-रजिस्टेंट बैक्टीरियल इन्फेक्शन का इलाज करने की पद्धति है। इसके अलावा एक और अहम विकल्प है इम्यूनोथेरपी। यह इलाज शरीर की इम्यूनिटी को मज़बूत करता है।

इन परेशानियों में ऐंटिबायोटिक दवाएं उपयोगी नहीं: सर्दी-जुकाम, वायरल फीवर, डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, कोविड-19, फ्लू आदि।

ऐसे गंभीर मामलों में डॉक्टर लिखते हैं ऐंटिबायोटिक दवाएं: घाव में इन्फेक्शन, टाइफाइड, टीबी, कभी-कभी फोड़े-फुंसी, दातों से जुड़ी परेशानियां, सिफलिस, गोनोरिया, यूरिन में इन्फेक्शन, किडनी या प्रोस्टेट का इन्फेक्शन, बैक्टीरियल निमोनिया (यह बहुत कॉमन है), टॉन्सिलाइटिस, काली खांसी, बैक्टीरियल डायरिया आदि।

ऐंटिबायोटिक ऐसी दवाएं होती हैं जो बैक्टीरिया को खत्म करती है या फिर उनकी बढ़त रोकती हैं। ऐंटिबायोटिक दो शब्दों से मिलकर बना है। ऐंटी का मतलब है विरोध और बायोटिक मतलब है जीवन से संबंधित। यहां जीवन से मतलब बैक्टीरिया के जीवन से है। सीधे कहें तो यह जीवाणुओं (बैक्टीरिया) के जीवन के विरुद्ध काम करने वाली दवा है। लेकिन ऐंटिबायोटिक दवा लेने में कई तरह की समस्याएं हैं। सबसे पहले तो यह है कि उन बीमारियों में, जहां इन्हें लेने का कोई मतलब नही है, वहां भी ले लिया जाता है। मसलनः यह वायरस की वजह से पैदा हुई बीमारी (वायरल फीवर, खांसी आदि) में भी ले लिया जाता है। जब ऐंटिबायोटिक का उपयोग इस कदर धड़ल्ले से होगा तो इसका असर कम होना स्वाभाविक है।

दवाओं के मामले में ये होती हैं हमारी गलतियां

ऐसी कुछ गलतियां हम जान-बूझकर करते हैं तो कुछ अनजाने में हो जाती हैं।

"आजकल ऐसे मरीज़ ज्यादा आ रहे हैं जो पहले ही सभी तरह के ऐंटिबायोटिक्स ले चुके होते हैं। ऐसे में दवाओं के विकल्प कम हो जाते हैं। इसलिए सामान्य इन्फेक्शन में ऐंटिबायोटिक न लें। वायरल फीवर, सामान्य डायरिया, पेट के हल्के दर्द में ऐंटिबायोटिक के इस्तेमाल से बचना चाहिए।"
-डॉ. एस. के. सरीन, डायरेक्टर, ILBS

सामान्य फीवर होने पर ले लेते हैं ऐंटिबायोटिक दवाएं

ILBS के डायरेक्टर डॉ. एस. के. सरीन कहते हैं, 'जब तक ब्लड या यूरिन आदि टेस्ट में पुष्टि न हो तब तक ऐंटिबायोटिक दवा लेने का कोई मतलब नहीं है। अगर किसी बच्चे को गैरज़रूरी ऐंटिबायोटिक दवा दी जाती है तो आगे चलकर उसे फैटी लिवर का खतरा बढ़ जाता है। ऐंटिबायोटिक ऐसी दवाएं नहीं है कि इन्हें हमेशा ही सामान्य स्थितियों में भी लेना चाहिए। कई लोग एलर्जी के मामलों में भी ले लेते हैं। यह गलत है। इनका उपयोग बेहद समझदारी से होना चाहिए। डॉक्टर के पर्चे पर ज्यादा दवा नहीं होनी चाहिए। अगर मरीज़ को ज्यादा परेशानी नहीं है तो 4 या ज्यादा से ज्यादा 5 दवा तक काफी हैं। वैसे अगर दवा न देनी पड़े या 1-2 दवा से ही काम चल जाए तो इससे बढ़िया कुछ भी नहीं।

"इन्फेक्शन हमें हर दिन होता है। गट में लाखों हानिकारक बैक्टीरिया मौजूद रहते हैं। लेकिन आमतौर पर वही शख्स बीमार पड़ता है जिनकी इम्यूनिटी कमज़ोर होती है। जब शरीर खुद इन्फेक्शन से न लड़ पाए तो डॉक्टरों की सलाह से ऐंटिबायोटिक दवा लेनी चाहिए और कोर्स पूरा करना चाहिए।"
-डॉ. संजय राय, प्रफेसर, कम्यूनिटी मेडिसिन, AIIMS

फ्लू होने पर भी दे देते हैं ऐंटिबायोटिक्स

ऐंटिबायोटिक्स और दूसरी दवाओं का इस्तेमाल डॉक्टर की सलाह से ही करें। ऐंटिबायोटिक्स अहम दवा होती है। अगर आप इसका पूरा कोर्स नहीं लेंगे तो इन्फेक्शन ज्यादा खराब स्थिति में पहुंच सकता है। यह भी याद रखें कि ऐंटिबायोटिक्स वायरल इन्फेक्शन जैसे फ्लू ठीक नहीं करता। एम्स में कम्यूनिटी मेडिसिन के प्रफेसर डॉ. संजय राय कहते हैं, 'अगर आपको फ्लू है और ऐंटिबायोटिक इस्तेमाल कर रहे हैं तो आपको कोई फायदा नहीं होने वाला है।' ऐंटिबायोटिक्स किसी भी गंभीर मेडिकल स्थिति में जब इन्फेक्शन बैक्टीरिया से हो तो ही फायदा होता है।

गूगल और AI पर डॉक्टरों से ज्यादा भरोसा

सीनियर जनरल फिजिशन डॉ. यतीश अग्रवाल कहते है, 'हमारे देश में मेडिकल की पढ़ाई किए बिना भी कई 'डॉक्टर' बन जाते हैं। इनमें केमिस्ट, गूगल, AI चैटबॉट, खुद मरीज़ और उनके अटेंडेंट आदि भी शामिल हैं। बीमारी बड़ी हो या फिर छोटी, कई लोग इलाज की शुरुआत इन्हीं से दवा पूछकर करते है। इस दौरान कई बार लोग छोटी परेशानी के लिए भी पावरफुल मेडिसिन ले लेते हैं या गैरज़रूरी दवा लेते हैं। इसका नुकसान बाद में दिखता है। उनका डॉक्टरों तक पहुंचने का नंबर बहुत पीछे आता है।' कई बार डॉक्टर भी ज्यादा दवाएं दे देते है, भले ही उनकी ज़रूरत हो या न हो।

"इस बात का ध्यान डॉक्टरों को भी रखना चाहिए कि बहुत ज़रूरी होने पर ही ऐंटिबायोटिक दवा लिखें। यह बड़ी समस्या बनती जा रही है। किसी मरीज़ के दबाव में डॉक्टर ऐंटिबायोटिक्स लिखने से बचें। मरीज़ों को भी डॉक्टरों पर ऐंटिबायोटिक्स लिखने का गैरज़रूरी दबाव बनाने से बचना चाहिए।"
-डॉ. गिरीश त्यागी, प्रेसिडेंट, दिल्ली मेडिकल असोसिएशन

"ज्यादा ऐंटिबायोटिक्स का बुरा असर इंसानों ही नहीं, जानवरों पर भी हो रहा है। उन पर भी असर कम होने लगा है। उन्हें भी बिना सलाह के ज्यादा ऐंटिबायोटिक्स दी जा रही हैं। फिर दूध, मीट आदि के माध्यम से उन ऐंटिबायोटिक्स का कुछ अंश हम तक पहुंच जाता है, जिसका नुकसान होता ही है।"
-डॉ. यतीश अग्रवाल, सीनियर जनरल फिजिशन

2050 तक एशिया में लगभग 47 लाख मौतें ऐसी होंगी, जिन्हें सीधे तौर पर ऐंटिमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस से जोड़ा जा सकेगा, ऐसा अनुमान है।

केमिस्ट को ही मान लेते हैं डॉक्टर

कई बार लोग केमिस्ट से पूछकर या इंटरनेट आदि की मदद से भी दवा लेते हैं। उन्हें यह पता नहीं होता कि मरीज़ को पहले से भी कोई बीमारी है या नहीं। मान लें, किसी को किडनी की शुरुआती परेशानी हो और उसे बुखार होने पर सीधे ही पावरफुल ऐंटिबायोटिक्स देना शुरू कर दें तो किडनी पर ज्यादा बुरा असर पड़ता है। ऐसे में दवा लेने से नुकसान ही ज्यादा होता है। वहीं, अगर कोई दूसरी परेशानी न भी हो तो भी बुखार आदि में किसी सामान्य शख्स को शुरुआत में ही ज्यादा पावरफुल ऐंटिबायोटिक्स देना सही नहीं है। अगर बुखार के अलावा दूसरे लक्षण नहीं हैं तो शुरुआत से पहले 3 दिनों तक सामान्य तौर पर पैरासिटामोल दवा ही दी जाती है।

दवा का कोर्स ही पूरा नहीं करते

किसी बीमारी या परेशानी में मरीज़ को कोई दवा लिखी जाती है तो फायदा शुरू होते ही बहुत-से मरीज़ कोर्स पूरा किए बिना ही दवा खाना छोड़ देते हैं। ऐसा अक्सर ऐंटिबायोटिक के मामले में देखा जाता है। अगर किसी को ऐंटिबायोटिक दवा का कोई कोर्स 5 या 7 दिन के लिए दिया गया है तो डॉक्टर से पूछे बिना दवा बंद नहीं करनी चाहिए। बीच में दवा बंद करने से भी वह शख्स उतनी पावर की ऐंटिबायोटिक दवा के प्रति ज्यादा संवेदनशील नहीं रहता। ऐसे में अगली बार उसे उसी तरह की बीमारी होने पर उससे भी ज्यादा पावर की और ज्यादा डोज़ वाली ऐंटिबायोटिक दवा देनी पड़ती है। ऐसे में नुकसान तो मरीज़ों का ही होता है।

विदेश से नहीं सीखते हम

दूसरे देशों की तरह हमें भी अपने यहां ऐंटिबायोटिक दवाओं के उत्पादन से लेकर उपयोग तक का पूरा लेखा-जोखा रखना चाहिए। इसमें केमिस्ट (मेडिकल स्टोर वाला) और किस पेशंट को दिया गया, इसकी भी जानकारी रखनी चाहिए, ताकि इसका मिसयूज़ कम हो सके। इससे ऐंटिबायोटिक्स रेजिस्टेंस की समस्या से काफी हद तक छुटकारा पाया जा सकेगा। सीधे कहें तो प्रशासनिक सक्रियता की ज़रूरत है। अगर हम सचेत न हुए तो आगे यह बड़ी समस्या बन जाएगी।

ऐंटिबायोटिक दवा के साथ प्रोबायोटिक भी देनी चाहिए

ऐंटिबायोटिक दवा लेने के बाद हमारी आंतों में मौजूद गुड बैक्टीरिया कम होने लगते हैं। हमारी पाचन क्षमता कमजोर होती है। अमूमन 4 से 5 दिनों तक ऐंटिबायोटिक्स की सामान्य डोज यानी दिन में एक बार लेने से ज्यादा बुरा असर नही पड़ता। जब दिन में 2 से 3 बार ऐंटिबायोटिक्स लेनी हो तो अमूमन इस तरह की परेशानी होती है। कुछ डॉक्टर साथ में प्रोबायोटिक भी लिखते हैं, लेकिन ज्यादातर नही लिखते। बड़ी वजह दवाओं की अधिकता बताई जाती है। जैसे बुज़ुर्ग मरीजों को दवाओं को याद रखने में परेशानी होती है।

देश में पहली बार आयोजित हुए अमरूद महोत्सव का औपचारिक समापन

जिला मुख्यालय पर अमरूद उत्कृष्टता केन्द्र बनाएंगे-डॉ. मीणा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। कृषि, उद्यानिकी, ग्रामीण विकास एवं आपदा प्रबन्धन मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि सवाई माधोपुर में स्थापित फूल उत्कृष्टता केन्द्र की तर्ज पर जिले में अमरूद उत्कृष्टा केन्द्र भी संचालित किया जाएगा। क्षेत्र के किसानों को जैविक विधि से खेती करने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जैविक बीज प्रमाणीकरण की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। डॉ. मीणा जिला मुख्यालय पर देश में पहली बार आयोजित अमरूद महोत्सव के औपचारिक समापन कार्यक्रम में मेले के प्रतिभागी किसानों, कृषि उद्यमियों, फल-फूल विशेषज्ञों और कृषि वैज्ञानिकों आदि को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अमरूद का सबसे अधिक उत्पादन सवाई माधोपुर जिले में होता है, लेकिन जानकारी के अभाव में किसान को उचित मूल्य नहीं मिल पाता। अमरूद की विशेषताओं के अनुरूप उसका प्रसंस्करण कर नए उत्पाद बनाकर बाजार तक पहुंचाने पर क्षेत्र का किसान आसानी से अपनी आमदनी बढ़ा सकता है। डॉ. मीणा ने कहा कि सवाई माधोपुर के किसानों को यह जानकारी व्यवहारिक रूप से समझाने के लिए अमरूद महोत्सव का आयोजन किया गया है। इस क्रम में राज्य सरकार आगे भी किसानों को जागरूक करने और सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए तत्पर रहेगी। जिला मुख्यालय पर इस कार्य के लिए एक अमरूद उत्कृष्टता केन्द्र की स्थापना भी की जाएगी।

विभिन्न फल-फूल आदि प्रतियोगिताओं के विजेता सम्मानित

डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने महोत्सव में विभिन्न प्रतियोगिताओं में शामिल प्रतिभागियों को पुरस्कार, स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। विजेताओं में नर्सरी प्रतियोगिता के लिए गुजरात की जारवी नर्सरी, फल प्रतियोगिता के लिए रायपुर के देवेन्द्र शुक्ला, उद्यानिकी लाइव डेमो प्रतियोगिता के लिए ड्रिप सिस्टम शैलेन्द्र सिंह राठी, पॉली हाउस के लिए बृजेश कुमार और सौर ऊर्जा के लिए चन्द्रवीर सिंह को प्रथम स्थान प्राप्त करने पर 11-11 हजार रुपये पुरस्कार राशि दी गई। फल-फूल प्रदर्शनी प्रतियोगिताओं में फल श्रेणी के लिए वलसाड के मयूर पाटीदार, सूरवाल के नंदलाल मीना, खिलचीपुर के रामफूल मीना, श्यामपुरा के रामखिलाड़ी मीना और कुस्तला के सत्यकुमार राजपूत को अलग-अलग वैरायटी के लिए प्रथम पुरस्कार के रूप में 1100-1100 रुपये की राशि दी गई। इसी प्रकार फूल की विभिन्न वैरायटी के लिए करमोदा के राजमल मीना, नौगांव के रमेश माली, सुनारी के हंसराज माली, मालपुरा की कैलाशी देवी, आलनपुर के मदनलाल सैनी, रामसिंहपुरा के प्रेमराज सैनी और नरोत्तम रैगर को भी 1100-1100 रुपये की राशि प्रथम पुरस्कार के रूप में दी गई।

किसान आय बढ़ाने के लिए बाजार तक पहुंच के अवसर तलाशें

कृषि मंत्री ने किसानों से आह्वान किया कि वे इस उत्सव का अधिक से अधिक लाभ लें। यहां आए विशेषज्ञों और यंत्र बनाने वाली कम्पनियों से अमरूद की ग्रेडिंग और पल्प बनाने की मशीन के बारे में जानकारी प्राप्त करें तथा वैज्ञानिक-किसान संवाद में हिस्सा लें और सूक्ष्म सिंचाई जैसी विधियों के बारे में जानें। उन्होंने कहा कि किसान अपनी आय तथा प्रदेश में अमरूद का उत्पादन बढ़ाने तथा ज्यूस, पल्प, मिठाइयां, कैन्डी, अचार आदि प्रसंस्कृत उत्पादों के बाजार तक सीधी पहुंच के अवसर तलाश करें। तभी महोत्सव का उद्देश्य पूरा हो सकेगा।

किसान नवाचार और नई जानकारियों का उपयोग करें

जिला कलक्टर काना राम ने कहा कि यह महोत्सव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लैब को लैन्ड से जोड़ने के संकल्प को पूरा करने की दिशा में आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि यहां जो भी नवाचार और नई जानकारियां साझा की गई हैं, किसान उनका उपयोग करें।

57वें बैच के चिकित्साधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

माउंट आबू। आंतरिक सुरक्षा अकादमी (आई एस ए) सीआरपीएफ, माउंट आबू में चिकित्सा अधिकारी कॉम्बैटाइजेशन कोर्स क्रम संख्या-57 का शपथ ग्रहण समारोह गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ।

समारोह में कुल 44 चिकित्सा अधिकारी, जिनमें 26 पुरुष एवं 18 महिला अधिकारी शामिल थे, ने शपथ ग्रहण की । समारोह के मुख्य अतिथि दर्शन लाल गोला, निदेशक/महानिरीक्षक, आंतरिक सुरक्षा अकादमी थे। उनके आगमन पर परेड द्वारा उन्हें सलामी दी गई। शिव कुमार सिंह, उप महानिरीक्षक (प्रशासन), आईएसए द्वारा स्वागत भाषण दिया गया। सुधांशु सिंह, उप महानिरीक्षक (प्रशिक्षण) द्वारा चिकित्सा अधिकारियों को शपथ दिलाई गई। प्रशिक्षण के दौरान चिकित्सा अधिकारियों ने विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जिसमें ऑल राउंड बेस्ट- डॉ. अवस्थी रमेश (उप कमांडेंट, एसएमओ), बेस्ट इनडोर - डॉ. वसुंधरा (उप कमांडेंट, एसएमओ) तथा बेस्ट आउटडोर - डॉ. जिशान फुकन को सम्मानित किया गया। वर्दी में सजे-धजे प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा कर्तव्यपरायणता एवं निष्ठा की शपथ लेते समय पूरा वातावरण देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत हो उठा। अपने संबोधन में निदेशक/महानिरीक्षक दर्शन लाल गोला ने चिकित्सा अधिकारियों के 10 सप्ताह के कठोर प्रशिक्षण के बारे में विस्तार से जानकारी दी। प्रशिक्षण के अंतर्गत माउंट आबू के वन क्षेत्र में एक सप्ताह का जंगल कैंप, 20 किलोमीटर से अधिक का जोखिमपूर्ण रूट मार्च, अर्बन/चैलेंज ट्रैक, तथा कानून व्यवस्था की जानकारी भी शामिल रही। इसके अतिरिक्त, 26 दिसंबर 2025 को चिकित्सा अधिकारियों द्वारा पिवरी पाटार एवं उतरज गांव में चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं। निदेशक/महानिरीक्षक ने सभी चिकित्सा अधिकारियों को कॉम्बैटाइजेशन कोर्स सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर बधाई दी तथा उन्हें जहाँ भी तैनाती मिले, रोल मॉडल बनकर बल की सेवा करने के लिए प्रेरित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

समारोह में सशस्त्र बलों के अधिकारी, पुलिस सेवा के अधिकारी, सम्मानित महिलाएं, शिक्षकगण, परिवारजन, मीडिया प्रतिनिधि तथा विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। अंत में उप महानिरीक्षक (प्रशिक्षण) द्वारा सभी उपस्थितजनों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

महाराणा प्रताप की 429वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। हिंदुवा सूरज प्रातः स्मरणीय महाराणा प्रताप की 429 वीं पुण्यतिथि पर प्रताप पार्क स्थित महाराणा प्रताप की अश्वारूढ़ प्रतिमा पर विधायक चंद्रभान सिंह आक्या ने केसरिया ध्वज चढ़ाया। विधायक आक्या ने कहा कि स्वतंत्रता एवं स्वाभिमान के लिए महाराणा प्रताप ने उम्रभर संघर्ष कर मेवाड़ को स्वतंत्र रखा। उन्होंने 36 कौम को साथ लेकर लड़ाई लड़ी एवं सामाजिक समरसता का अनूठा उदाहरण पेश किया। उत्तम स्वामी महाराज ने भी प्रताप पार्क स्थित महाराणा प्रताप की अश्वारूढ़ मूर्ति पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित कर याद किया। गजेंद्र सिंह, सुरेश शर्मा, चंद्रशेखर, अनिरुद्ध सिंह भाटी, त्रिलोक, जिला कलक्टर आलोक रंजन ने भी पुष्पांजलि अर्पित की। बाद में सभी ने शहीद स्मारक पर भी पुष्प अर्पित किए।

निःशुल्क चिकित्सा जांच एवं परामर्श शिविर आयोजित

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। भगवान महावीर मानव सेवा समिति, पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क चिकित्सा जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। अध्यक्ष राजेंद्र दोशी, रोशन लाल लोढ़ा, नवीन पटवारी, सुदर्शन रामपुरिया, बसंतीलाल मेहता, अशोक सेठिया, नवनीत मोदी, चांदमल बोकड़िया ने दीप प्रज्जवलित कर शिविर का शुभारंभ किया। शिविर में 61 व्यक्तियों का उपचार कर निःशुल्क दवा वितरित की गई। कुछ व्यक्तियों को ऑपरेशन हेतु उदयपुर भिजवाए गया।

निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर संपन्न

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। रोटरी क्लब एवं गोमाबाई नेत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में रोटरी भवन में निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ वरिष्ठ सदस्य रघुवीर जैन, डॉ. डीएल लड्ढा, रोटरी सदस्यगण, गोमाबाई नेत्रालय के चिकित्सक व स्टाफ द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। राजकमल पोसवालिया ने बताया कि शिविर में लगभग 150 मरीजों की आँखों की निःशुल्क जांच की गई। जांच उपरांत 30 मरीजों को मोतियाबिंद ऑपरेशन हेतु गोमाबाई नेत्रालय नीमच रेफर किया गया, जहाँ उनका निःशुल्क ऑपरेशन कर लेंस प्रत्यारोपण किया जाएगा।

खाटूश्याम का फाल्गुन लक्खी मेला 21 फरवरी से

सीकर @ जागरूक जनता। राजस्थान के सबसे बड़े मेलों में शुमार बाबा श्याम का वार्षिक फाल्गुन लक्खी मेला है। वहीं इस साल इस मेले के आयोजन की तारीख सामने आ गई है। वहीं इस बार मेले में कई बदलाव भी करने को लेकर फैसला लिया गया है। बताया गया है कि इस साल यानी 2026 में 21 फरवरी से 28 फरवरी तक खाटूश्याम जी में फाल्गुन लक्खी मेला लगेगा। मेले की व्यवस्थाओं को लेकर मंगलवार (20 जनवरी) को सीकर कलेक्ट्रेट में मेला कमेटी और जिला प्रशासन की अहम बैठक जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। मेले को लेकर सबसे अहम बात यह रही की इस बार ग्यारह दिन की बजाय 8 दिन का भरेगा बाबा श्याम का फाल्गुन लक्खी मेला जिस पर सभी ने एक स्वर में सहमति रखी, जो 21 फरवरी से 28 फरवरी तक भरेगा। फैसले के बारे में बताया गया कि पिछले पांच सालों में पहली बार मेला अवधि कम की गई है। यानी इससे पहले 8 दिन से ज्यादा दिनों के लिए मेले का आयोजन किया जाता था।

जसोलधामः गुप्त नवरात्रा शुरू, घट स्थापना के साथ विशेष पूजा-अर्चना शुरू

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जसोल। माघ माह शुक्ल पक्ष प्रतिपदा के अवसर पर श्री राणी भटियाणी मंदिर संस्थान, जसोल में गुप्त नवरात्रा पर्व का विधिवत शुभारंभ हुआ। श्री दूधेश्वर वेद विद्या पीठ, गाजियाबाद से पधारे विद्वान आचार्यों एवं पंडितों द्वारा वेद मंत्रोच्चार के साथ घट स्थापना कर मां आदिशक्ति का आव्हान किया गया।

गुप्त नवरात्रा के प्रथम दिवस के अवसर पर प्रातःकालीन मंगला आरती से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। माघ शुक्ल पक्ष में दर्शन के विशेष महत्व को देखते हुए हजारों श्रद्धालुओं ने श्री राणीसा भटियाणीसा, श्री बायोसा, श्री सवाईसिंह जी, श्री लाल बन्ना सा, श्री खेतलाजी एवं श्री काला-गौरा भैरूजी मंदिरों में

दर्शन कर पूजा-अर्चना की और परिवार व समाज की खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर मंदिर परिसर को पुष्प मालाओं एवं आकर्षक लाइटिंग से सजाया गया। श्रद्धालुओं की सुविधा व सुरक्षा को देखते हुए झिग-झैग लाइनिंग सिस्टम, सीसीटीवी कैमरों से निगरानी, पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम, प्रसाद चढ़ाने की सुचारु व्यवस्था तथा व्यापक वाहन पार्किंग प्रबंध किए गए। गुप्त नवरात्रा के प्रथम दिवस पर जसोल नगर पालिका सर्व समाज, छत्तीस कौम की कन्याओं का विधिवत पूजन किया गया। कन्याओं को फल-प्रसाद व अन्नपूर्णा प्रसादम करवाकर दक्षिणा भेंट की गई। इस अवसर पर आचार्य श्री तोयराज जी ने कहा कि गुप्त नवरात्रा शक्ति साधना का विशेष काल है। इस दौरान किए गए तप और अनुष्ठान अनेक गुना फलदायी होता है।

उन्होंने बताया कि यह गुप्त नवरात्रा पर्व आगामी नौ दिनों तक चलेगा, जिसमें प्रतिदिन क्रमशः माता शैलपुत्री, मां ब्रह्मचारिणी, मां चंद्रघंटा, मां कूष्मांडा, मां स्कंदमाता, मां कात्यायनी, मां कालरात्रि, मां महागौरी एवं मां सिद्धिदात्री का विशेष पूजन एवं हवन किया जाएगा। तथा भगवान श्री शंकर का प्रतिदिन रुद्राभिषेक किया जाएगा।

न्युवोको विस्टास ने वित्तवर्ष 26 की तीसरी तिमाही के लिए अपने बेहतरीन वित्तीय परिणाम घोषित किए

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ। न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड, भारत की एक प्रमुख बिल्डिंग मटीरियल कंपनी ने 31 दिसंबर को समाप्त तिमाही के लिए अपने वित्तीय परिणाम घोषित किए। कंपनी पूर्व में रणनीतिक क्षमता विस्तार पर अपनी प्रगति जारी रखे हुए है, साथ ही वडराज सीमेंट सुविधाओं में प्रोजेक्ट का काम भी ट्रैक पर है, जिसमें क्लिंकर यूनिट और ग्राइंडिंग यूनिट्स का ऑपरेशन वित्तवर्ष 27 की तीसरी तिमाही से शुरू होने वाले चरणों में करने की योजना है। ये प्रयास और पहलें न्युवोको की कुल सीमेंट क्षमता को 35 एमएमटीपीए तक पहुंचाती हैं, जिससे यह लंबे समय के लिए भारत में पांचवें सबसे बड़े सीमेंट ग्रुप के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करता है। तिमाही के शुरुआती हिस्से में छोटी-बड़ी चुनौतियों के बावजूद कंपनी ने सालाना आधार पर बेहतर प्रदर्शन बनाए रखा। कंपनी ने वित्तवर्ष 26 की तीसरी तिमाही 5 एमएमटी की अब तक की सबसे ज्यादा तीसरी तिमाही की सीमेंट बिक्री वॉल्यूम हासिल की, जिसमें सालाना आधार पर 7 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। ऑपरेशन से कंसोलिडेटेड आय वित्तवर्ष 26 की तीसरी तिमाही में सालाना आधार पर 12 प्रतिशत बढ़कर 2,701 करोड़ रुपए हो गया। कंपनी का कंसोलिडेटेड एबिटिडा वित्तवर्ष 26 की तीसरी तिमाही में सालाना आधार पर 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 386 करोड़ रुपए रहा। प्रीमियम उत्पादों ने अपनी मजबूत गति बनाए रखी, जिसमें प्रीमियमाइजेशन लगातार दूसरी तिमाही में 44 प्रतिशत के ऐतिहासिक उच्च स्तर पर बना रहा। कंपनी के परफॉर्मेंस पर प्रतिक्रिया करते हुए जयकुमार कृष्णास्वामी मैनेजिंग डायरेक्टर, न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड ने कहा कि "लंबे मॉनसून और त्योहारों की वजह से शुरुआती मैक्रोइकोनॉमिक चुनौतियों के बावजूद, जिससे अक्टूबर और नवंबर में डिमांड कम हो गई थी, दिसंबर में हेल्दी डबल-डिजिट ग्रोथ देखने को मिली, जो मजबूत रिकवरी मोमेंटम को दिखाता है। कंपनी ने प्रीमियम प्रोडक्ट्स और ऑपरेशनल एक्सीलेंस पर लगातार फोकस की वजह से तीसरी तिमाही में अब तक का सबसे ज्यादा वॉल्यूम और एबिटिडा में 50 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी हासिल की। कंपनी ने पिछले 17 तिमाहियों में सबसे कम ब्लेंडेड फ्यूल कॉस्ट भी हासिल की, जो 1.41 रुपये प्रति मैकल थी।

जिला कलक्टर सुशील कुमार यादव ने धोरीमन्ना में राजकीय कार्यों का किया निरीक्षण

बालोतरा @ जागरूक जनता। जिला कलक्टर सुशील कुमार यादव धोरीमन्ना दौरे पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने तहसील एवं उपखण्ड कार्यालय, नगर पालिका, राजकीय अस्पताल तथा पंचायत समिति कार्यालय का गहन निरीक्षण किया। जिला कलक्टर सुशील कुमार यादव ने निरीक्षण की शुरुआत तहसील एवं उपखण्ड कार्यालय से की गई, जहां उन्होने विभिन्न शाखाओं का अवलोकन किया। उन्होंने राजस्व प्रकरणों की स्थिति, लंबित मामलों, रिकॉर्ड संधारण तथा आमजन की सुनवाई की प्रक्रिया की जानकारी ली। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि जनहित से जुड़े प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए और अनावश्यक रूप से किसी भी प्रकरण को लंबित न रखा जाए। इसके पश्चात जिला कलक्टर यादव नगर पालिका कार्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने साफ-सफाई व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, सड़क एवं प्रकाश व्यवस्था सहित नगर के विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा नगर में चल रहे विकास कार्यों को गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूर्ण किया जाए। जनता की शिकायतों का त्वरित समाधान करने पर जोर दिया। राजकीय अस्पताल के निरीक्षण के दौरान उन्होने मरीजों से बातचीत कर स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली। उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध चिकित्सकीय सुविधाओं, दवाइयों की उपलब्धता, साफ-सफाई तथा स्टाफ की उपस्थिति की जांच की।

अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन का ओडिशा प्रांतीय अधिवेशन संपन्न

ऐसे कार्यक्रम एक माला की तरह होते हैं-मित्तल

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

कोलकाता। अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार मित्तल के नेतृत्व में ओडिशा प्रदेश का प्रथम प्रांतीय अधिवेशन 18 जनवरी को बरगढ़ की पावन धरा रानी सती मंदिर के प्रांगण में बरगढ़ इकाई द्वारा अत्यंत भव्यता, अनुशासन एवं उत्साह के साथ सफलता पूर्वक आयोजित किया गया।

अधिवेशन में केंद्रीय पदाधिकारियों सहित पूरे ओड़िसा प्रांत की विभिन्न इकाइयों के पदाधिकारी एवं लगभग 100 सदस्यों की सहभागिता ने इस अधिवेशन को यादगार एवं ऐतिहासिक बना दिया। इस अवसर पर मित्तल ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में एक माला का कार्य करते है। रायपुर से पधारे डॉक्टर नीरज अग्रवाल, संदीपा अग्रवाल, रमेश अग्रवाल कविता अग्रवाल किशोर अग्रवाल मोनिका अग्रवाल ने सपरिवार आकर इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन कटक इकाई के ऊर्जावान अध्यक्ष महेंद्र अग्रवाल द्वारा मंच संचालन, प्रांतीय अध्यक्ष पवन सुल्तानिया का स्वागत उद्बोधन, बरगढ़ इकाई अध्यक्ष कैलाश अग्रवाल द्वारा अभी तक इकाई के द्वारा किए गए कार्यों का विवरण, ओडिशा प्रदेश संगठन मंत्री एवं अग्र अलंकरण प्रमुख श्रवण अग्रवाल द्वारा सदस्यता विस्तार उद्बोधन, राष्ट्रीय महिला अध्यक्षा सुशीला फरमानिया द्वारा अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन के उद्देश्यों, कार्यों एवं समाज हित में किए जा रहे प्रयासों का विस्तारपूर्वक वर्णन AAS की गतिविधियों से सभी को अवगत करवाना अत्यंत प्रेरणादायक रहा। अंतर्राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष गणेश कुमार भरतिया, सुलेखा भारतिया, संस्था के मुख्य प्रबंधक आलोक अग्रवाल की उपस्थिति ने इस प्रोग्राम को भव्यता प्रदान की। प्रदेश चेयरमैन अग्र विभूति अलंकरण एवं सदस्यता वृद्धि अभियान श्रवण अग्रवाल के मार्गदर्शन में धरमगढ़ एवं भेड़न इकाई एवं राष्ट्रीय महिला कार्यकारिणी सदस्यों के शपथ ग्रहण ने कार्यक्रम की सफलता को "चार चाँद" लगा दिए। कटक, धर्मगढ़, बरगढ़, संबलपुर महिला इकाई द्वारा विभिन्न प्रकार के मनोरंजक खेलों ने सभी के अंदर ऊर्जा का संचार प्रवाहित कर दिया।

सुंदर भजन संध्या, रानी सती दादी का मुकलावा, छप्पन भोग और भव्य आरती ने इस कार्यक्रम को दिव्यता प्रदान की। बरगढ़ विधायक अश्विनी सारंगी एवं UPMS के पूर्व अध्यक्ष गोविंद राम अग्रवाल की उपस्थिति में स्थानीय समाज सेवी संस्था- निष्ठा परिवार, संकल्प परिवार, संघमित्रा पटेल, किशन लाल अग्रवाल, अन्य सेवाभावी व्यक्तियों का सम्मान, शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अग्र विद्यार्थियों का सम्मान, ओड़िसा प्रदेश की सभी इकाइयों, राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारी के सम्मान ने इस कार्यक्रम को भव्यता प्रदान की। राष्ट्रीय कार्यालय द्वारा संबलपुर महिला इकाई को (सर्वाधिक महिला सदस्य, अमृत जलधारा एवं राष्ट्रीय संरक्षक सदस्य) कटक इकाई को (सर्वाधिक सदस्य एवं उत्कृष्ट समाज सेवा) बरगढ़ इकाई को (एकादशी उद्यापन एवं स्वास्थ्य सेवा) सम्मानित किया गया। अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार मित्तल एवं महिला राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशीला फरमानिया ने इस भव्य एवं अनुशासित आयोजन की सफलता का श्रेय प्रांतीय अध्यक्ष पवन कुमार की सुल्तानिया, बरगढ़ इकाई अध्यक्ष कैलाश अग्रवाल एवं उनकी पूरी समर्पित टीम का दिया है।

घर मंगवाये जागरूक जनता

सदस्यता फार्म — दिनांक ....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम ....

पता : ....

....

फोन .... पिन कोड

राशि (रुपए) .... बैंक का नाम ....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

• सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. ....रसीद क्रं. ....

दिनांक .... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता
सकारात्मक हिन्दी अखबार

बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

महानिदेशक पुलिस द्वारा पीएचक्यू में आयोजित समारोह में प्रदान किए जाएंगे गृह मंत्रालय सेवा पदक और डीजीपी डिस्क

राजस्थान पुलिस के 45 अधिकारी, कर्मचारी होंगे सम्मानित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। आगामी 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर राजस्थान पुलिस के बेड़े में हर्ष और गौरव का माहौल रहेगा। महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा द्वारा पुलिस मुख्यालय परिसर में आयोजित होने वाले भव्य समारोह में प्रदेश के 45 उत्कृष्ट पुलिस अधिकारियों और मंत्रालयिक कर्मचारियों को उनकी विशिष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया जाएगा। महानिदेशक पुलिस (कार्मिक) एस. परिमला द्वारा जारी आदेशों के अनुसार इन अधिकारियों को केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा स्वीकृत उत्कृष्ट/अति उत्कृष्ट सेवा पदक और डीजीपी डिस्क के साथ-साथ प्रशस्ति-रोल प्रदान किए जाएंगे। वहीं मंत्रालयिक वर्ग के कर्मचारियों को प्रशंसा पत्र वितरित किए जाएंगे

शीर्ष पुलिस अधिकारियों की सूची

समारोह में राजस्थान पुलिस के आला अधिकारियों को उनकी कर्तव्यनिष्ठा के लिए नवाजा जाएगा। जिसमे डीजीपी एसीबी गोविन्द गुप्ता, एडीजी एस. सेंगाथिर, बिपिन कुमार पाण्डेय, आलोक कुमार वशिष्ठ, संयुक्त सचिव, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय (NSCS), नई दिल्ली, लता मनोज कुमार, प्रफुल्ल कुमार, महानिरीक्षक पुलिस सीआईएसएफ नई दिल्ली नवज्योति गोगोई, विकास कुमार, अजयपाल लांबा, अंशुमन भौमिया, राहुल प्रकाश, अनिल कुमार टांक और डॉ. रवि शामिल है। इसी सूची में उप महानिरीक्षक पुलिस अजय सिंह, प्रदीप मोहन शर्मा, दीपक भार्गव, विकास शर्मा, मनोज कुमार, आनन्द शर्मा, राजन दुष्यंत, शंकर दत्त शर्मा, पुलिस अधीक्षक राशि डोगरा डूडी, डॉ. दीपक यादव, उप सचिव, मंत्रिमंडल सचिवालय, भारत सरकार, हर्ष वर्धन अग्रवाल, राजर्षि राज वर्मा, ज्येष्ठा मैत्रयी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनस्वी चौधरी, सुनीता मीना और वित्तीय सलाहकार डॉ. प्रीति शर्मा शामिल है।

मंत्रालयिक कर्मचारियों का भी बढ़ा मानः प्रशंसा-पत्र से होंगे सम्मानित

पुलिस विभाग की रीढ़ माने जाने वाले मंत्रालयिक संवर्ग के 16 अधिकारियों और कर्मचारियों को भी उनके सराहनीय कार्य के लिए प्रशंसा-पत्र प्रदान किया जाएगा। जिसमे अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी अंजू शर्मा, सहायक प्रशासनिक अधिकारी सुनील कुमार शर्मा, अजय सिंह जेफ, महेन्द्र सिंह सोलंकी, देवकिशोर, वरिष्ठ सहायक भगवत सिंह मीना, गिरीश पाल सिंह, नयन राणावत, विजय सिंह भाटी, द्रोपति स्वामी, भूपेन्द्र सिंह, गणेश राम बिजारनियाँ, कनिष्ठ सहायक सुमित गोदारा, सीता जाखड़, मोहित व्यास और राहुल यादव शामिल है। सम्मानित होने वाले सभी पुलिस अधिकारियों को 26 जनवरी को प्रातः 07:30 बजे उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं। यह समारोह राजस्थान पुलिस की कार्यकुशलता और समर्पण का प्रतीक बनेगा।

राजीविका एवं एमएनआईटी जयपुर के मध्य एमओयू पर हस्ताक्षर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद् (राजीविका) एवं मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी), जयपुर के मध्य आगामी वर्ष में विभिन्न सर्वेक्षण एवं अध्ययन कार्यों के निष्पादन हेतु मंगलवार को समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस एमओयू का उद्देश्य राजीविका की विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों के प्रभावी मूल्यांकन, अध्ययन एवं शोध कार्यों को सुदृढ़ करने हेतु अकादमिक सहयोग को बढ़ावा देना है। यह साझेदारी नीतिगत निर्णयों की गुणवत्ता बढ़ाने, कार्यक्रमों की संरचना में सुधार तथा उनके प्रभावी क्रियान्वयन में सहायक सिद्ध होगी।

एमओयू हस्ताक्षर कार्यक्रम के अवसर पर राजीविका की ओर से श्रीमती नेहा गिरि, राज्य मिशन निदेशक तथा एमएनआईटी की ओर से डॉ. प्रियंका हरजूले, सहायक प्रोफेसर उपस्थित रहीं। यह सहयोग अकादमिक विशेषज्ञता एवं जमीनी अनुभवों के समन्वय की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

एमएनआईटी के साथ यह साझेदारी राजीविका के तथ्यपरक, परिणामोन्मुखी एवं साक्ष्य आधारित कार्यप्रणाली को और अधिक सुदृढ़ करेगी, जिससे राज्य में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं के लिए सतत एवं प्रभावी आजीविका अवसर सुनिश्चित किए जा सकेंगे।

अब हाथ नहीं, सॉफ्टवेयर से बनेंगे MLC और पोस्टमार्टम रिपोर्ट

1 फरवरी से अनिवार्य होगा MedLEaPR सॉफ्टवेयर का उपयोग; लापरवाही पर SHO और SP होंगे व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान पुलिस अब अपनी कार्यप्रणाली को पूरी तरह पेपरलेस और पारदर्शी बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाने जा रहा है। राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर के आदेशों के क्रम में अब प्रदेश में मेडिकल लीगल केस (MLC) और पोस्टमार्टम रिपोर्ट (PMR) तैयार करने की प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन होने जा रही है। आगामी 1 फरवरी, 2026 से राज्य के सभी पुलिस थानों और चिकित्सालयों में हस्तलिखित रिपोर्टों पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया जाएगा।

ऑनलाइन प्रक्रिया ही होगी मान्य

महानिरीक्षक पुलिस अपराध शाखा परम ज्योति ने बताया कि राजस्थान उच्च न्यायालय ने 17 नवंबर, 2025 को दिए अपने एक महत्वपूर्ण आदेश में स्पष्ट किया है कि भविष्य में सभी प्रकार की MLC और PMR प्रक्रिया केवल MedLEaPR Software और सीसीटीएनएस के माध्यम से ही संपादित की जाएगी। इस संबंध में अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस अपराध और महानिरीक्षक पुलिस स्टेट क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो द्वारा विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

अधिकारियों की तय होगी जिम्मेदारी

नए नियमों के अनुसार, यदि 01 फरवरी के बाद किसी भी प्रकरण में MLC या PMR रिपोर्ट हाथ से बनाई जाती है या सॉफ्टवेयर का उपयोग नहीं किया जाता है, तो इसके लिए संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों की सीधी जवाबदेही तय की गई है। इसके लिए संबंधित थानाधिकारी, अनुसंधान अधिकारी और संबंधित जिले के पुलिस अधीक्षक, जयपुर एवं जोधपुर के पुलिस उपायुक्त एवं पुलिस आयुक्त व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार माने जाएंगे।

सीसीटीएनएस से सीधे डाउनलोड होंगी रिपोर्ट

पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी निर्देशों के तहत अब MLC और PMR के सभी अनुरोध सीसीटीएनएस के माध्यम से ही जनरेट किए जाएंगे। डॉक्टरों द्वारा तैयार की गई अंतिम रिपोर्ट भी सीसीटीएनएस के जरिए ही डाउनलोड की जाएगी। इस व्यवस्था से न केवल समय की बचत होगी, बल्कि कानूनी प्रक्रियाओं में मानवीय हस्तक्षेप और दस्तावेजों में हेरफेर की संभावना भी खत्म हो जाएगी। स्टेट क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो के महानिरीक्षक अजय पाल लाम्बा ने समस्त जिला पुलिस अधीक्षकों और आयुक्तों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने क्षेत्राधिकार में इन आदेशों की कड़ाई से पालना सुनिश्चित करें।

कृषि भवन, शास्त्री भवन होंगे ध्वस्त, दो साल में होगा नई बिल्डिंग का निर्माण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी में मौजूद कृषि भवन और शास्त्री भवन को ध्वस्त कर वहां कॉमन सेंट्रल सेक्रेटेरिएट बिल्डिंग 4 और 5 के निर्माण का फैसला किया है। इस परियोजना पर कुल 3,006 करोड़ रुपये से अधिक की लागत आएगी। इस संबंध में केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) ने टेंडर जारी कर दिया है। टेंडर के दस्तावेजों के मुताबिक, सात मंजिला कृषि भवन और शास्त्री भवन के विंग ए से जी तक को पूरी तरह तोड़ा जाएगा। इन भवनों में वर्तमान में कई केंद्रीय मंत्रालय संचालित हो रहे हैं, जिन्हें हाल ही में उद्घाटित कॉमन सेक्रेटेरिएट बिल्डिंग- 1, 2 और 3 में स्थानांतरित किया जा रहा है। नए भवनों को कर्तव्य भवन' नाम दिया गया है। सीसीएस बिल्डिंग- 4 और 5 आठ-आठ मंजिला होंगी। इनका निर्माण पीईबी स्टील स्ट्रक्चर के रूप में किया जाएगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अगुवाई में कृषक कल्याण को मिल रही नई दिशा

राज्य के 2 हजार 839 गिरदावर सर्किलों पर होगा ग्राम उत्थान शिविरों का आयोजन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गरीब, युवा, अन्नदाता एवं नारीशक्ति (GYAN) के कल्याण के मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार शीघ्र ही 'ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (GRAM) -2026' का आयोजन करने जा रही है। ग्राम के इस महत्वपूर्ण आयोजन में प्रगतिशील किसानों और पशुपालकों की सहभागिता सुनिश्चित कर उन्हें विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ देने के क्रम में प्रदेश के प्रत्येक गिरदावर सर्किल पर 23 जनवरी से ग्राम उत्थान शिविरों का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार ये शिविर दो चरणों में आयोजित किए जाएंगे। बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर 23 जनवरी को प्रथम चरण की शुरूआत होगी, जिसमें 24, 25 व 31 जनवरी को शिविर आयोजित किए जाएंगे। वहीं, दूसरे चरण में 1 फरवरी एवं 5 से 9 फरवरी तक इनका आयोजन होगा। इस प्रकार 10 दिनों तक प्रदेशभर में 2 हजार 839 शिविर प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक प्रदेशभर में आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों से पहले 22 जनवरी को ग्राम सभाओं के माध्यम से ग्रामीणों को ग्राम उत्थान शिविरों में होने वाली गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी भी दी जाएगी।

तार बंदी से लेकर सौर पम्प संयंत्र की मिलेगी स्वीकृति

इन शिविरों में तार बंदी, पाईप लाईन, फार्म पौण्ड, बैलों से खेती योजना के अन्तर्गत प्रोत्साहन राशि की स्वीकृतियां, सॉइल हेल्थ कार्ड वितरण, बीज मिनिकिट वितरण का सत्यापन करने के साथ ही फव्वारा एवं ड्रिप, प्लास्टिक मल्च, सौर पम्प संयंत्र इत्यादि की स्वीकृतियां और मुख्यमंत्री कृषक साथी सहायता योजना के आवेदनों का निस्तारण किया जाएगा।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अन्तर्गत लाभार्थियों को मिलेंगे आवास

किसान क्रेडिट कार्ड एवं नए कस्टम हायरिंग सेंटर संबंधी कार्य, मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के तहत पशुपालकों का पंजीकरण एवं स्वास्थ्य प्रमाण पत्र जारी करना, फर्टिलिटी किटों का वितरण, प्राइमरी डेयरी कॉपरेटिव सोसायटी एवं डेयरी कॉपरेटिव सोसायटी के पंजीयन के साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अन्तर्गत निर्मित आवासों में लाभार्थियों का गृहप्रवेश करवाया जाएगा। वहीं, वीबी जी राम जी योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार और पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना का सर्वे कार्य पूरा किया जाएगा। इसी प्रकार स्वामित्व कार्डों का वितरण, नहरों एवं खालों की मरम्मत की आवश्यकताओं का चिन्हीकरण, प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अन्तर्गत पंजीकरण एवं युवा स्वरोजगार योजना सहित अन्य कार्य किए जाएंगे।

12 विभागों की योजनाओं का मिलेगा लाभ

इन शिविरों में कृषि, उद्यानिकी, कृषि विपणन, डेयरी, पशुपालन, मत्स्य पालन, सहकारिता, जल संसाधन, ऊर्जा, उद्योग, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज सहित 12 विभाग भाग लेंगे। कृषि एवं उद्यानिकी विभाग को शिविरों का नोडल विभाग बनाया गया है, जो सभी संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित करते हुए इन शिविरों के माध्यम से कृषकों एवं पशुपालकों सहित ग्रामीणों को विभिन्न योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करेगा।

प्रभारी सचिव करेंगे नियमित शिविर निरीक्षण

मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रभारी सचिवगण इन शिविरों का नियमित निरीक्षण कर सतत पर्यवेक्षण करेंगे। जिला स्तर पर कलेक्टर जिला स्तरीय नोडल अधिकारी नियुक्त करेंगे, जो शिविरों से संबंधित व्यवस्थाओं का प्रबंधन करेंगे।

'ग्राम' में कृषक एवं विशेषज्ञ होंगे शामिल

उल्लेखनीय है कि ग्राम के राज्य स्तरीय आयोजन में देश-विदेश के किसान, पशुपालक हिस्सा लेंगे। साथ ही, उन्नत तकनीक साझा करने के लिए विभिन्न प्रदर्शक फर्म भी आएंगी। उन्नत कृषि, जल प्रबंधन, फसल विविधीकरण जैसे नवाचारों को उपयोग में लाने वाले कृषि विशेषज्ञ, वैज्ञानिकों तथा तकनीकी जानकार भी इस महत्वपूर्ण आयोजन में शामिल होंगे।

संपादक : **ज्ञानेन्द्र मिश्रा** मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : **jagrukjantanews@gmail.com** (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। **संपादकीय कार्यालय** : 132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039 समाचार संपादक- **चेतेन्द्र कुमार मिश्रा**